हैरी पॉटर

और आग का प्याला

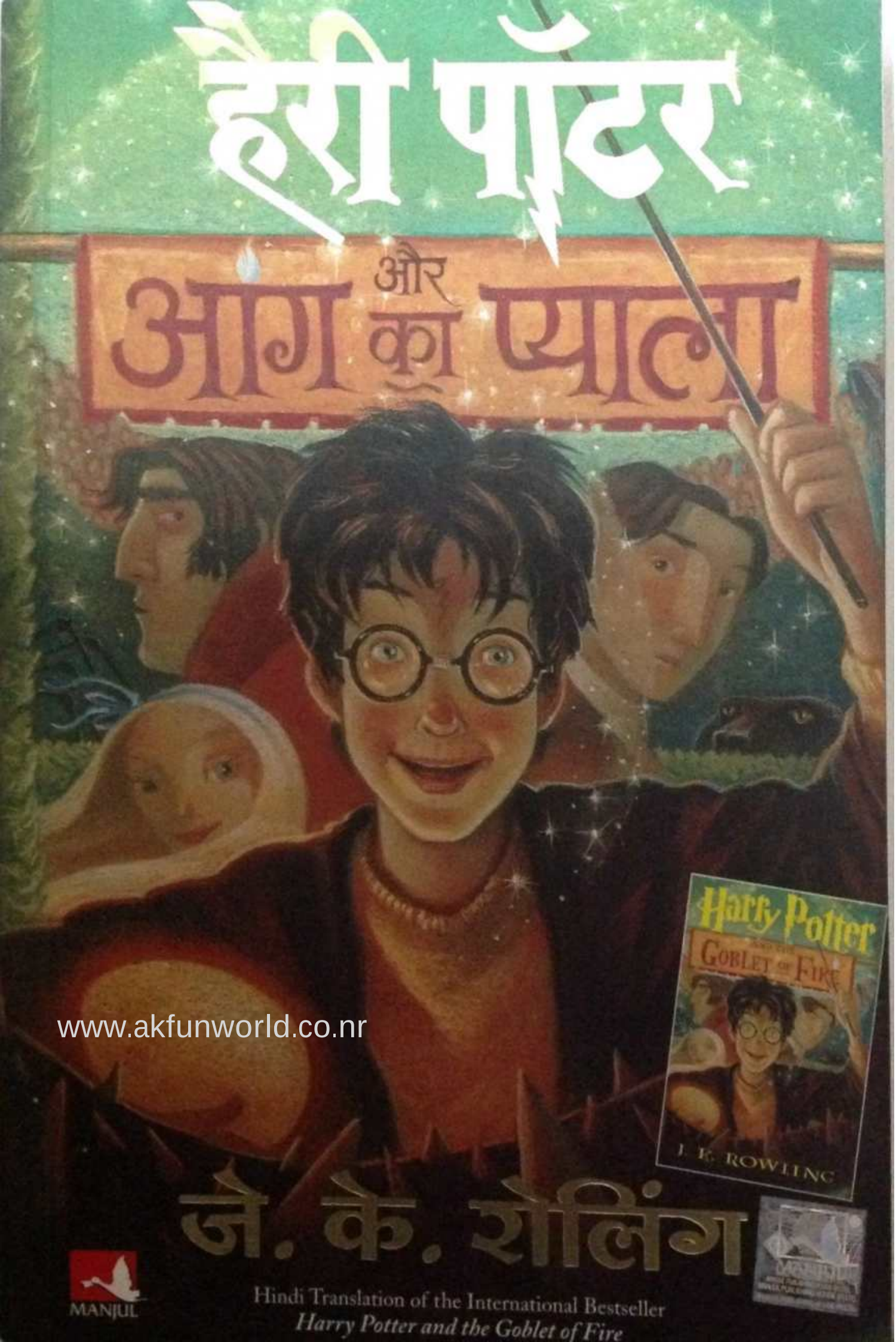

www.akfunworld.co.nr

जे. के. रोलिंग

MANJUL

Hindi Translation of the International Bestseller
Harry Potter and the Goblet of Fire

अध्याय एक

रिडल भवन

लिटिल हैंगलटन गाँव के लोग अब भी उस मकान को रिडल भवन ही कहते थे, हालाँकि उसमें बरसों से रिडल परिवार का कोई सदस्य नहीं रहता था। पहाड़ी पर बना यह मकान गाँव से साफ़ नज़र आता था। इसकी कुछ खिड़कियों पर पटिए लगे थे, छत के कई कवेलू ग़ायब हो चुके थे और सामने वाले हिस्से में आइवी की बेल बेरोकटोक फैल रही थी। कभी यह एक ख़ूबसूरत हवेली हुआ करती थी और मीलों तक इससे बड़ी तथा भव्य इमारत नहीं थी, लेकिन अब रिडल भवन सीलन भरा, परित्यक्त और वीरान था। अब यहाँ कोई नहीं रहता था।

लिटिल हैंगलटन गाँव के सभी लोगों की राय में इस पुराने मकान का माहौल 'डरावना' था। पचास साल पहले वहाँ एक अजीबोग़रीब और भयानक घटना हुई थी। गपशप के मुद्दे कम पड़ने पर आज भी गाँव के बड़े-बूढ़े उस घटना के बारे में बातें करने लगते थे। कहानी को इतनी बार नमक-मिर्च लगाकर दोहराया जा चुका था कि कोई भी यक़ीन के साथ यह नहीं कह सकता था कि सच्चाई क्या थी। बहरहाल, कहानी का हर संस्करण एक ही जगह से शुरू होता था : पचास साल पहले जब रिडल भवन अच्छी और शानदार हालत में था, तब गर्मियों की एक सुहानी सुबह एक नौकरानी ड्रॉइंग रूम में दाख़िल हुई और उसने देखा कि वहाँ रिडल परिवार के तीनों सदस्य मरे पड़े थे।

नौकरानी पहाड़ी से नीचे भागी, चिल्लाती हुई गाँव में गई और उसने बहुत सारे लोगों को नींद से जगा दिया।

'वे वहाँ पड़े थे, उनकी आँखें खुली थीं! उनके शरीर बर्फ़ की तरह ठंडे थे! उन्होंने रात को कपड़े भी नहीं बदले थे!'

पुलिस को ख़बर कर दी गई और पूरा लिटिल हैंगलटन सदमे भरी उत्सुकता तथा रोमांच से सुलगने लगा। किसी ने भी रिडल परिवार के बारे में अफ़सोस जताने का नाटक तक नहीं किया, क्योंकि रिडल परिवार को कोई पसंद नहीं करता था। बूढ़े रिडल दंपति अमीर, घमंडी तथा बदमिज़ाज थे और उनका लड़का टॉम तो उनसे भी बुरा था। गाँव वाले तो बस यह जानने के लिए उतावले थे कि उनकी हत्या किसने की है। आख़िर तीन स्वस्थ लोग अचानक एक ही रात को सामान्य कारणों से तो नहीं मर सकते हैं।

उस रात को गाँव के शराबख़ाने *फाँसी का तख़्ता* में शराब की बिक्री के पुराने रिकॉर्ड टूट गए। गाँव के सभी लोग वहाँ पर इन हत्याओं के बारे में बातचीत करने के लिए पहुँच गए थे। उन्हें अपने गर्म घरों से बाहर निकलने का इनाम भी मिला, जब रिडल परिवार की कुक वहाँ नाटकीय तरीक़े से आ गई। उसे देखते ही शराबख़ाने में सन्नाटा छा गया। कुक ने ख़ामोशी तोड़ते हुए सबको बताया कि पुलिस ने अभी-अभी फ़्रैंक ब्राइस को गिरफ़्तार कर लिया है।

'फ़्रैंक!' कई लोग चीख़ पड़े। 'कभी नहीं!'

फ़्रैंक ब्राइस रिडल परिवार का माली था। वह रिडल भवन के मैदान में बनी टूटी-फूटी झोपड़ी में अकेला रहता था। फ़्रैंक युद्ध से लौटा हुआ सैनिक था। उसका एक पैर बहुत अकड़ा हुआ था और वह भीड़ तथा तेज़ आवाज़ों से बहुत चिढ़ता था। युद्ध से लौटने के बाद से ही वह रिडल परिवार के यहाँ काम कर रहा था।

कुक से ज़्यादा से ज़्यादा जानकारी उगलवाने के लिए उसे शराब पिलाने की होड़ मच गई।

'हमेशा सोचती थी कि वह थोड़ा अजीब है,' कुक ने शेरी का चौथा गिलास पीने के बाद उत्सुक गाँव वालों को बताया, 'उसकी किसी से भी दोस्ती नहीं थी। उसे एक कप चाय पिलाने के लिए मुझे उससे सौ बार मिन्नतें करनी पड़ती थीं। वह किसी से दोस्ती ही नहीं रखना चाहता था।'

'यह बात तो ठीक है,' शराबख़ाने में मौजूद एक औरत बोली, 'लेकिन फ़्रैंक युद्ध में घायल हो गया था और उसे शांत जीवन पसंद है; सिर्फ़ इसी बात के चलते तो उसे दोष देना ठीक नहीं –'

'तो फिर यह बताओ कि पीछे वाले दरवाज़े की चाबी और किसके पास थी?' कुक ने तेज़ आवाज़ में पूछा। 'जहाँ तक मुझे याद है, माली की झोपड़ी में उस दरवाज़े की एक चाबी काफ़ी समय से लटकी रहती थी! कल रात को किसी ने भी दरवाज़े से छेड़छाड़ नहीं की थी! एक भी खिड़की नहीं

खुली थी! फ़्रैंक को तो बस इतना करना था कि हम सबके सो जाने के बाद वह चुपचाप मकान में घुस आए ...'

गाँव वालों ने एक-दूसरे को रहस्य भरी निगाहों से देखा।

बार में बैठा एक आदमी बुदबुदाया, 'उसका चेहरा हमेशा से ख़तरनाक दिखता था।'

शराबख़ाने का मालिक बोला, 'मेरी राय तो यह है कि युद्ध के कारण उसका दिमाग़ सरक गया था।'

कोने में बैठी एक महिला रोमांचित होकर बोली, 'डॉट, मैंने तुमसे कहा था ना कि मैं फ़्रैंक से पंगा लेना पसंद नहीं करूँगी, है ना?'

'उसका ग़ुस्सा बहुत तेज़ था,' डॉट ने सिर हिलाते हुए कहा, 'मुझे याद है, जब वह छोटा था, तो ...'

अगली सुबह तक पूरे लिटिल हैंगलटन को यक़ीन हो चुका था कि फ़्रैंक ब्राइस ने ही रिडल परिवार की हत्या की थी।

लेकिन पड़ोसी क़स्बे ग्रेट हैंगलटन के अँधेरे और छोटे पुलिस स्टेशन में फ़्रैंक दृढ़ता से बार-बार कह रहा था कि वह बेगुनाह है। उसका कहना था कि रिडल परिवार की मौत वाले दिन उसे घर के पास काले बालों और पीले चेहरे वाला एक अजनबी किशोर दिखा था। किसी और गाँव वाले ने ऐसे किसी किशोर को नहीं देखा था और पुलिस को पूरा यक़ीन था कि फ़्रैंक मनगढ़ंत कहानी सुना रहा है।

फ़्रैंक के ख़िलाफ़ मामला बहुत गंभीर दिख रहा था, लेकिन तभी रिडल परिवार के सदस्यों के पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आई, जिससे सब कुछ बदल गया।

पुलिस वालों ने इतनी अजीब रिपोर्ट पहले कभी नहीं देखी थी। उनके मुर्दा शरीरों की जाँच-पड़ताल के बाद डॉक्टरों की टीम इस नतीजे पर पहुँची थी कि रिडल परिवार के किसी भी सदस्य को न तो ज़हर दिया गया था, न चाकू या गोली से मारा गया था, न ही उनका गला दबाया गया था। डॉक्टरों के अनुसार जहाँ तक वे देख सकते थे, रिडल परिवार के सदस्यों को किसी तरह का नुक़सान नहीं पहुँचाया गया था। रिपोर्ट में यह आश्चर्यजनक तथ्य बताया गया था कि रिडल परिवार के तीनों सदस्य बिलकुल स्वस्थ नज़र आ रहे थे - गड़बड़ सिर्फ़ इतनी थी कि वे सभी मर चुके थे। डॉक्टरों ने यह भी ज़िक्र किया (जैसे वे मुर्दा शरीरों के साथ कोई न कोई गड़बड़ खोजने का संकल्प कर चुके हों) कि रिडल परिवार के तीनों मृत सदस्यों के चेहरे पर दहशत का भाव था - लेकिन जैसा कि निराश पुलिस वालों ने कहा, इस बात

पर कौन यक़ीन करेगा कि तीन लोग *दहशत के कारण* मर गए थे?

चूँकि इस बात का कोई सबूत नहीं था कि रिडल परिवार की हत्या हुई थी, इसलिए पुलिस को मजबूरन फ़्रैंक को छोड़ना पड़ा। रिडल परिवार के सदस्यों को लिटिल हैंगलटन के क़ब्रिस्तान में दफ़ना दिया गया। कुछ समय तक उनकी क़ब्रें उत्सुकता का विषय बनी रहीं। बहरहाल, जब फ़्रैंक ब्राइस रिडल भवन के मैदान में बनी अपनी झोपड़ी में वापस लौट आया, तो सभी गाँव वाले हैरान हो गए और शक भी करने लगे।

'पुलिस चाहे जो कहे, पर मैं तो अब भी यही मानती हूँ कि उसी ने उन लोगों की हत्या की है,' डॉट ने *फाँसी का तख़्ता* नामक शराबख़ाने में कहा। 'अगर उसमें ज़रा भी शराफ़त होती, तो वह यहाँ से चला गया होता। आख़िर वह जानता है कि हम सभी उसे ही अपराधी मानते हैं।'

लेकिन फ़्रैंक वहाँ से कहीं नहीं गया। वह रिडल भवन में रहने आने वाले अगले परिवार के लिए भी माली का काम करता रहा और फिर अगले परिवार के लिए भी – क्योंकि कोई भी परिवार वहाँ ज़्यादा समय तक नहीं टिका। हर नए मालिक को वहाँ डरावना एहसास हुआ; शायद कुछ हद तक फ़्रैंक के कारण। मालिकों के नहीं रहने के कारण रिडल भवन ख़ाली पड़ा रहा और उसकी हालत ख़राब होने लगी।

*

रिडल भवन का वर्तमान मालिक इसमें नहीं रहता था और इसका कोई अन्य इस्तेमाल भी नहीं करता था। गाँव वाले कहते थे कि उसने इस भवन को 'टैक्स बचाने के लिए' रखा हुआ है, हालाँकि किसी को भी यह स्पष्ट मालूम नहीं था कि इससे टैक्स कैसे बच सकता है। अमीर मालिक फ़्रैंक को बगीचे की देख-रेख करने की तनख़्वाह देता रहा। बहरहाल, अब फ़्रैंक सतहत्तर साल का होने वाला था, वह बहुत ऊँचा सुनने लगा था, उसका अकड़ा हुआ पैर अब और ज़्यादा अकड़ चुका था, लेकिन इसके बावजूद अच्छे मौसम में वह फूलों की क्यारियों में अनमनेपन से काम करते हुए घूमता रहता था, हालाँकि उसे झाड़-झंखाड़ों से जमकर जूझना पड़ता था।

फ़्रैंक को सिर्फ़ झाड़-झंखाड़ों से ही नहीं जूझना पड़ता था। गाँव के लड़के अक्सर रिडल भवन की खिड़कियों पर पत्थर फेंकते रहते थे। यही नहीं, वे उस लॉन पर अपनी साइकलें भी चलाते थे, जिसे सुंदर बनाए रखने के लिए फ़्रैंक कड़ी मेहनत करता था। एक-दो बार लड़के दिलेरी दिखाकर पुराने मकान में घुस भी गए। वे जानते थे कि बूढ़े फ़्रैंक को मकान और बगीचे से प्यार था। जब वह अपनी छड़ी हिलाता हुआ बगीचे में लँगड़ाकर

आता था और भर्राई आवाज़ में उन पर चिल्लाता था, तो लड़कों को बड़ा मज़ा आता था। फ़्रैंक का मानना था कि लड़के उसे इसलिए सताते हैं, क्योंकि अपने माता-पिता और दादा-दादियों की तरह वे भी उसे ख़ूनी मानते हैं। इसलिए जब फ़्रैंक अगस्त की एक रात को जागा और उसने पुराने मकान में ऊपर की तरफ़ एक बहुत अजीब चीज़ देखी, तो सोचा कि लड़के उसे सताने की कोशिशों में एक क़दम और आगे बढ़ गए हैं।

फ़्रैंक के अकड़े हुए पैर में तेज़ दर्द हो रहा था। इसी कारण उसकी नींद खुली थी। पहले कभी इस पैर में इतना दर्द नहीं हुआ था, जितना कि अब बुढ़ापे में हो रहा था। वह उठा और लँगड़ाते हुए किचन में गया। वह गर्म पानी की बोतल दोबारा भरकर अपने घुटने की सिंकाई करना चाहता था। सिंक के पास खड़े होकर उसने पानी गर्म करने के लिए केतली भरी और रिडल भवन की तरफ़ देखा। उसे ऊपर की खिड़कियों में रोशनी दिखी। फ़्रैंक तत्काल समझ गया कि क्या हो रहा होगा। लड़के फिर मकान में घुस गए होंगे। चूँकि रोशनी हिल रही थी, इसलिए यह साफ़ ज़ाहिर था कि उन्होंने आग भी जला ली थी।

फ़्रैंक के पास फ़ोन नहीं था और वैसे भी जब से पुलिस ने रिडल परिवार के सदस्यों की मृत्यु के बारे में उससे पूछताछ की थी, तब से वह पुलिस पर भरोसा नहीं करता था। उसने तत्काल केतली नीचे रखी और अपनी झोपड़ी में जल्दी-जल्दी ऊपर गया। पैर के दर्द के बावजूद वह जितनी तेज़ी से हो सकता था चलने की कोशिश कर रहा था। वह फटाफट पूरे कपड़े पहनकर किचन में लौट आया। किचन के दरवाज़े के पास लगे हुक पर ज़ंग लगी पुरानी चाबी टँगी थी। चाबी उठाने के बाद उसने दीवार से टिकी अपनी टहलने वाली छड़ी भी उठा ली। इसके बाद वह अँधेरे में बाहर आ गया।

रिडल भवन के सामने वाले दरवाज़े या खिड़कियों पर घुसपैठ का कोई निशान नहीं था। फ़्रैंक लँगड़ाता हुआ मकान के पीछे वाले हिस्से की तरफ़ गया। वह पीछे वाले दरवाज़े की तरफ़ जा रहा था, जो पूरी तरह से आइवी की बेलों के पीछे छिपा था। उसने पुरानी चाबी से ताला खोला; दरवाज़ा बिना आवाज़ किए हुए खुल गया।

वह गुफा जैसे किचन में पहुँच गया। फ़्रैंक कई सालों से वहाँ नहीं आया था और हालाँकि वहाँ पर घुप्प अँधेरा था, लेकिन उसे अच्छी तरह याद था कि हॉल की तरफ़ जाने वाला दरवाज़ा किधर है। वह टटोलते हुए उसी तरफ़ बढ़ा। उसके नथुनों में सीलन की बदबू भर गई। उसके कान ऊपर से आने वाली आवाज़ों या क़दमों की आहटों को सुनने के लिए चौकन्ने थे। वह हॉल में पहुँच गया। दरवाज़े के दोनों तरफ़ वाली खिड़कियों पर मोटे पर्दे लगे थे, इसलिए यहाँ भी अँधेरा था। वह सीढ़ियों पर चढ़ने लगा। चढ़ते समय वह

सीढ़ियों पर जमी धूल की मोटी परत को धन्यवाद देता जा रहा था, क्योंकि इससे उसके पैरों और छड़ी की आवाज़ दब गई थी।

ऊपर पहुँचकर फ़्रैंक जैसे ही दाईं तरफ़ मुड़ा, उसे तत्काल पता चल गया कि घुसपैठिए कहाँ थे। गलियारे के बिलकुल आख़िरी छोर पर एक दरवाज़ा आधा खुला था। उसकी दरार में से हिलती हुई रोशनी दिख रही थी, जिससे काले फ़र्श पर लंबी सी सुनहरी लकीर पड़ रही थी। फ़्रैंक और पास गया। उसने अपनी छड़ी कसकर पकड़ रखी थी। वह दरवाज़े से कुछ क़दम दूर पहुँच गया। यहाँ से वह दरवाज़े की दरार में से कमरे के अंदर की झलक देख सकता था।

उसने देखा कि अँगीठी में आग जल रही थी। इससे उसे हैरानी हुई। उसने चलना बंद कर दिया और ध्यान से सुनने लगा, क्योंकि अंदर से किसी आदमी की आवाज़ आ रही थी, जो सहमी और डरी हुई सी थी।

'मालिक, अगर आपको अब भी भूख लग रही हो, तो बोतल में थोड़ा दूध और बचा है।'

'बाद में लूँगा,' दूसरी आवाज़ आई। यह आवाज़ भी एक आदमी की ही थी – लेकिन यह बड़ी अजीब आवाज़ थी। यह काफ़ी तीखी और बर्फ़ीली हवा के झोंके की तरह ठंडी थी। इस आवाज़ में ऐसा कुछ था, जिससे फ़्रैंक की गर्दन के पीछे के बचे-खुचे बाल भी खड़े हो गए। 'वर्मटेल, मुझे आग के थोड़ा क़रीब खिसकाओ।'

ज़्यादा अच्छी तरह सुनने के लिए फ़्रैंक ने अपना दायाँ कान दरवाज़े की तरफ़ घुमाया। अंदर सख़्त फ़र्श पर बोतल रखने और फिर भारी कुर्सी को घसीटने की आवाज़ें आईं। फ़्रैंक को कुर्सी धकाने वाले नाटे आदमी की झलक दिख गई, जिसकी पीठ दरवाज़े की तरफ़ थी। वह एक लंबा काला चोगा पहने था और उसके सिर का पिछला हिस्सा गंजा था। फिर वह दिखाई देना बंद हो गया।

ठंडी आवाज़ ने पूछा, 'नागिनी कहाँ है?'

'मुझे – मुझे नहीं पता, मालिक,' पहली आवाज़ घबराकर बोली। 'मुझे लगता है, वह मकान की जाँच-पड़ताल करने गई होगी ...'

'हमारे सोने से पहले तुम उसका दूध निकाल लेना, वर्मटेल,' दूसरी आवाज़ ने कहा। 'मुझे रात को भूख लगेगी। सफ़र के कारण मैं बहुत थक चुका हूँ।'

भौंहें सिकोड़कर फ़्रैंक ने अपने अच्छे कान को दरवाज़े से सटा लिया और पूरा ध्यान लगाकर सुनने लगा। थोड़ी देर ख़ामोशी छाई रही और फिर

वर्मटेल नाम का आदमी दोबारा बोला।

'मालिक, क्या मैं पूछ सकता हूँ कि हम लोग यहाँ कितने समय तक रुकेंगे?'

'एक हफ़्ते,' ठंडी आवाज़ ने कहा। 'शायद उससे भी ज़्यादा। यह जगह काफ़ी आरामदेह है और हम अभी अपनी योजना पर अमल नहीं कर सकते। क्विडिच वर्ल्ड कप ख़त्म होने तक कोई भी क़दम उठाना मूर्खता होगी।'

फ़्रैंक ने अपने कान में गाँठदार उँगली डालकर घुमाई। उसे विश्वास था कि कान के मैल के कारण वह ठीक से नहीं सुन पाया था, क्योंकि उसने 'क्विडिच' सुना था, जो कोई शब्द ही नहीं होता है।

'क्विडिच वर्ल्ड कप, मालिक?' वर्मटेल ने पूछा। (फ़्रैंक ने अपने कान में और ज़ोर से उँगली घुमाई।) 'माफ़ कीजिए, लेकिन – मैं समझा नहीं – हम वर्ल्ड कप ख़त्म होने तक कुछ क्यों नहीं कर सकते?'

'मूर्ख, क्योंकि इस समय दुनिया भर के जादूगर इस देश में आ रहे हैं। जादू मंत्रालय का हर अड़ंगेबाज़ ड्यूटी पर तैनात रहेगा और असामान्य गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखेगा। लोगों के परिचय-पत्रों और प्रामाणिकता की बार-बार जाँच की जाएगी। सुरक्षा बहुत तगड़ी होगी, ताकि मगलुओं को कुछ भी पता न चल पाए। इसलिए हमें इंतज़ार करना होगा।'

फ़्रैंक ने अपने कान साफ़ करने की कोशिश छोड़ दी। उसने साफ़-साफ़ 'जादू मंत्रालय,' 'जादूगर' और 'मगलुओं' शब्द सुने थे। वह समझ चुका था कि इन शब्दों का कोई ख़ुफ़िया मतलब होगा। फ़्रैंक अच्छी तरह जानता था कि सिर्फ़ दो ही लोग ख़ुफ़िया शब्दों में बातें करते हैं – जासूस और अपराधी। फ़्रैंक ने एक बार फिर अपनी छड़ी कसकर पकड़ ली और ज़्यादा ध्यान से सुनने लगा।

वर्मटेल ने धीरे से पूछा, 'तो मालिक ने फ़ैसला कर लिया है?'

'निश्चित रूप से मैंने फ़ैसला कर लिया है, वर्मटेल।' ठंडी आवाज़ में अब चेतावनी का भाव था।

थोड़ी देर ख़ामोशी छाई रही – और फिर वर्मटेल बोला। उसके मुँह से शब्द तेज़ी से निकले, जैसे वह अपनी हिम्मत के जवाब देने से पहले ही उन्हें बोल देना चाहता हो।

'मालिक, यह काम हैरी पॉटर के बिना भी तो किया जा सकता है।'

एक बार फिर ख़ामोशी छाई रही, जो थोड़ी ज़्यादा लंबी थी, और फिर –

'हैरी पॉटर के बिना?' दूसरी आवाज़ ने धीरे से कहा। 'अच्छा ...'

'मालिक, मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूँ, कि मुझे उस लड़के की परवाह है!' वर्मटेल ने ऊँची आवाज़ में कहा। 'लड़के की मुझे क़तई परवाह नहीं है, क़तई नहीं है! मैं तो ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि अगर हम किसी और जादूगरनी या जादूगर का – किसी भी जादूगर का – इस्तेमाल करें, तो यह काम बहुत जल्दी हो जाएगा! अगर आप इज़ाज़त दें, तो मैं कुछ समय के लिए आपको छोड़कर चला जाऊँ – आप तो जानते ही हैं कि मैं बहुत अच्छी तरह अपना भेस बदल सकता हूँ – मैं दो ही दिन में किसी उपयुक्त जादूगर को लेकर यहाँ लौट आऊँगा –'

दूसरी आवाज़ धीरे से बोली, 'यह ठीक है कि मैं किसी दूसरे जादूगर का इस्तेमाल कर सकता हूँ ...'

'मालिक, इसी में समझदारी होगी,' वर्मटेल अब बहुत राहत भरी आवाज़ में बोल रहा था, 'हैरी पॉटर पर हाथ डालना बहुत मुश्किल होगा, क्योंकि उसकी सुरक्षा बहुत तगड़ी होगी –'

'इसलिए तुम मेरी मदद करना चाहते हो और उसका विकल्प खोजना चाहते हो? मुझे लगता है ... शायद अब तुम मेरी देखभाल करते-करते उकता गए हो, वर्मटेल? कहीं ऐसा तो नहीं है कि कुछ समय के बजाय तुम मुझे हमेशा के लिए छोड़कर चले जाना चाहते हो?'

'मालिक! मैं-मैं आपको छोड़कर नहीं जाना चाहता हूँ, बिलकुल भी नहीं –'

'मुझसे झूठ मत बोलो!' दूसरी आवाज़ ने फुफकारते हुए कहा। 'वर्मटेल, मुझे हमेशा सच्चाई का पता चल जाता है! तुम इस बात पर पछता रहे हो कि तुम मेरे पास क्यों आए। तुम मुझे बड़ी हिक़ारत से देखते हो। मैं देखता हूँ मेरी तरफ़ देखते समय तुम्हारी नाक सिकुड़ जाती है और मुझे छूते समय तुम काँपने लगते हो ...'

'नहीं! मालिक के प्रति मेरी निष्ठा ...'

'निष्ठा नहीं, कायरता। अगर तुम्हारे पास जाने के लिए कोई और जगह होती, तो तुम यहाँ एक पल भी नहीं ठहरते। मुझे दिन में कई बार दूध पीना पड़ता है! मैं तुम्हारे बिना ज़िंदा कैसे रह सकता हूँ? नागिनी का दूध कौन निकालेगा?'

'लेकिन मालिक, अब तो आप काफ़ी स्वस्थ दिख रहे हैं –'

'झूठे कहीं के,' दूसरी आवाज़ बोली। 'मैं ज़रा भी स्वस्थ नहीं हूँ। तुम्हारी लापरवाह देखभाल की बदौलत मैंने जो थोड़ी-बहुत सेहत हासिल की है, वह कुछ ही दिनों में जा सकती है। *ख़ामोश!*'

वर्मटेल ने बुदबुदाना बंद कर दिया और फ़ौरन चुप हो गया। कुछ पल तक फ़्रैंक को आग में लकड़ियों के तड़कने की आवाज़ के अलावा कुछ सुनाई नहीं दिया। फिर दूसरा आदमी दोबारा बोला। वह फुफकारने जैसी धीमी आवाज़ में बोल रहा था।

'मेरे पास उस लड़के का इस्तेमाल करने के कई कारण हैं, जो मैं तुम्हें पहले भी बता चुका हूँ। इसीलिए मैं किसी दूसरे का इस्तेमाल नहीं करूँगा। मैंने तेरह साल तक इंतज़ार किया है। कुछ और महीनों के इंतज़ार से कोई फ़र्क़ नहीं पड़ेगा। जहाँ तक लड़के की सुरक्षा का सवाल है, मुझे यक़ीन है कि मेरी योजना सफल होगी। बस तुम्हें थोड़ी हिम्मत दिखानी पड़ेगी, वर्मटेल – और तुम हिम्मत ज़रूर दिखाओगे, क्योंकि तुम लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट के ग़ुस्से का शिकार नहीं बनना चाहोगे –'

'मालिक, मेरी बात तो सुनें!' वर्मटेल की आवाज़ में एक बार फिर दहशत झलक रही थी। 'हमारे पूरे सफ़र में मैं उसी योजना के बारे में विचार कर रहा था – मालिक, जल्दी ही लोगों को यह पता चल जाएगा कि बर्था जोरकिन्स लापता है। इसलिए अगर हम अपनी योजना पर चलते हैं और अगर मैं शाप देता हूँ –'

'अगर ?' दूसरी आवाज़ ने फुसफुसाकर कहा। '*अगर ?* वर्मटेल, अगर तुम योजना पर चलोगे, तो मंत्रालय को यह पता ही नहीं चल पाएगा कि कोई और ग़ायब हुआ है। तुम यह काम चुपचाप और बिना शोर-शराबे के करोगे। काश मैं यह काम ख़ुद कर पाता, लेकिन मेरी हालत इतनी ख़राब है ... चलो वर्मटेल, हमें अपने रास्ते से एक और बाधा को हटाना है, फिर हैरी पॉटर तक पहुँचने का रास्ता साफ़ हो जाएगा। मैं तुम्हें यह काम अकेले करने के लिए नहीं कह रहा हूँ। तब तक मेरा *वफ़ादार* सेवक भी दोबारा हमारे साथ होगा –'

वर्मटेल ने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा, '*मैं* भी तो आपका वफ़ादार सेवक हूँ!'

'वर्मटेल, मुझे ऐसे सेवक की ज़रूरत है, जिसके पास दिमाग़ हो और जिसकी निष्ठा कभी न डगमगाई हो। और दुर्भाग्य से, तुममें ये दोनों बातें नहीं हैं।'

'मैंने आपको खोजा था,' वर्मटेल ने शिकायती अंदाज़ में कहा। 'मैंने ही तो आपको खोजा था। मैं ही तो बर्था जोरकिन्स को आपके पास लाया था।'

'तुम्हारी बात सही है,' दूसरे आदमी ने मज़े लेते हुए कहा। 'वर्मटेल, मुझे तुमसे इतने बढ़िया काम की उम्मीद नहीं थी – वैसे सच कहा जाए तो उसे लाते समय तुम्हें इस बात का एहसास भी नहीं था कि वह कितने काम

की होगी। है ना?'

'मालिक, मैंने – मैंने सोचा था कि वह हमारे काम आ सकती है –'

'झूठे कहीं के,' दूसरी आवाज़ ने कहा। अब उसमें क्रूर आनंद की पहले से कहीं ज़्यादा स्पष्ट झलक थी। 'बहरहाल मैं इस बात से इंकार नहीं करूँगा कि उसने हमें जो जानकारी दी, वह बहुत क़ीमती थी। उसके बिना मैं अपनी योजना नहीं बना सकता था। तुम्हें इस काम का इनाम मिलेगा, वर्मटेल। मैं तुम्हें अपना एक बहुत महत्वपूर्ण काम करने का मौक़ा दूँगा, जिसे करने के लिए मेरे कई समर्थक अपना दायाँ हाथ कटवाने को तैयार होंगे ...'

वर्मटेल एक बार फिर दहशत में आ गया, 'स-सचमुच, मालिक? कौन सा काम –'

'आह वर्मटेल, अगर वह रहस्य मैं तुम्हें अभी बता दूँगा, तो तुम्हें उस वक़्त आनंद नहीं आएगा। तुम्हारा वह काम सबसे आख़िर में आएगा ... लेकिन मैं तुमसे वादा करता हूँ कि तुम्हें भी बर्था जोरकिन्स जितने ही उपयोगी होने का सम्मान मिलेगा।'

'आप ... आप ...' वर्मटेल की आवाज़ अचानक बहुत भर्रा गई, जैसे उसका मुँह बिलकुल सूख गया हो। 'आप ... मुझे भी ... मार डालेंगे?'

'वर्मटेल, वर्मटेल,' ठंडी आवाज़ ने चिकने-चुपड़े अंदाज़ में कहा, 'मैं तुम्हें भला क्यों मारूँगा? बर्था को तो मुझे इसलिए मारना पड़ा, क्योंकि उसके अलावा और कोई रास्ता ही नहीं था। मेरे सवालों के जवाब देने के बाद वह किसी काम की नहीं बची थी। वह बिलकुल बेकार हो चुकी थी। वैसे भी, अगर वह मंत्रालय में लौटकर यह बताती कि वह छुट्टियाँ मनाते समय तुमसे मिली थी, तो बहुत से अजीब सवाल पूछे जाते। दुनिया जिन जादूगरों को मरा हुआ मानती है, उन्हें किसी सराय में जादू मंत्रालय की जादूगरनी से नहीं टकराना चाहिए ...'

वर्मटेल इतने धीमे से कुछ बुदबुदाया कि फ्रैंक उसकी बात नहीं सुन पाया, लेकिन उसे सुनकर दूसरे आदमी को हँसी आ गई – आनंदविहीन हँसी, जो उसकी आवाज़ की तरह ही ठंडी थी।

'*हम उसकी याददाश्त मिटा सकते थे?* तुम्हारी बात तो सही है, लेकिन शक्तिशाली जादूगर याददाश्त मिटाने के मंत्रों के ताले को खोल सकते हैं, जैसा मैंने उससे सवाल पूछते समय साबित किया था। मैंने उससे जो जानकारी उगलवाई है, उसका इस्तेमाल न करना उसकी *याददाश्त* का अपमान होगा, वर्मटेल।'

बाहर गलियारे में फ्रैंक को अचानक इस बात का एहसास हुआ कि

छड़ी पर रखा उसका हाथ पसीना-पसीना हो चुका था। ठंडी आवाज़ वाला आदमी एक औरत को मार चुका था। वह बिना किसी पश्चाताप के इस बारे में बात कर रहा था, बल्कि उसे तो *मज़ा आ रहा था।* वह ख़तरनाक था - पागल था। यही नहीं, वह एक और हत्या करने की योजना बना रहा था - हैरी पॉटर नाम का लड़का, चाहे वह जो भी हो, ख़तरे में था -

फ़्रैंक जानता था कि उसे क्या करना चाहिए। अब पुलिस के पास जाने का वक़्त आ चुका था। वह मकान से चुपचाप बाहर निकलेगा और सीधे गाँव के टेलीफ़ोन बूथ तक जाएगा ... लेकिन ठंडी आवाज़ वाला आदमी दोबारा बोलने लगा और फ़्रैंक अपनी जगह पर खड़े-खड़े पूरे ध्यान से सुनने लगा।

'एक और शाप देना होगा ... मेरा वफ़ादार सेवक हॉगवर्ट्स में होगा ... हैरी पॉटर मेरे क़ब्ज़े में होगा, वर्मटेल। सब कुछ तय हो चुका है। अब आगे बहस मत करना। लेकिन शांत ... मुझे नागिनी की आवाज़ सुनाई दे रही है ...'

और फिर दूसरे आदमी की आवाज़ बदल गई। वह ऐसी आवाज़ें निकालने लगा, जो फ़्रैंक ने पहले कभी नहीं सुनी थीं। वह फुफकार रहा था और बिना साँस खींचे थूक रहा था। फ़्रैंक को लगा कि उसे दौरा पड़ गया था।

तभी उसे अँधेरे गलियारे में अपने पीछे आहट सुनाई दी। जब उसने पलटकर देखा, तो दहशत के मारे उसे जैसे लक़वा मार गया।

अँधेरे गलियारे के फ़र्श पर कोई चीज़ रेंगती हुई उसकी तरफ़ आ रही थी और जब वह चीज़ दरवाज़े की दरार से ज़मीन पर पड़ती आग की रोशनी में आई, तो उसने आतंकित होकर देखा कि वह एक बहुत बड़ी नागिन थी, जो कम से कम बारह फ़ुट लंबी थी। स्तब्ध फ़्रैंक दहशत से नागिन के लहराते शरीर को फ़र्श पर जमी धूल की मोटी परत में लहरदार निशान बनाते हुए पास आते देखता रहा। नागिन बहुत पास आ चुकी थी - अब वह क्या करे? बचने का इकलौता रास्ता उसी कमरे में जाना था, जहाँ दोनों आदमी हत्या की योजना बना रहे थे। अगर वह यहीं खड़ा रहेगा, तो नागिन उसे निश्चित रूप से काट लेगी -

लेकिन इससे पहले कि वह कोई फ़ैसला कर पाए, नागिन उसकी बराबरी पर आ गई और फिर, अविश्वसनीय तथा चमत्कारिक रूप से उसके पास से होती हुई अंदर चली गई। वह दरवाज़े के पीछे से आ रही ठंडी आवाज़ की फुफकारों की तरफ़ जा रही थी और कुछ ही सेकंड में इसकी हीरे जैसे आकार की पूँछ दरवाज़े की झिरी में से ग़ायब हो गई।

अब तक फ़्रैंक के माथे पर पसीना आ चुका था और छड़ी पर रखा

उसका हाथ काँपने लगा था। कमरे के अंदर से ठंडी आवाज़ अब भी लगातार फुफकार रही थी और फ्रैंक के मन में एक अजीब सा, एक असंभव सा विचार आया ... *वह आदमी नागिन से बात कर रहा था।*

फ्रैंक को समझ में नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा था। वह जल्दी से अपने पलंग पर रखी गर्म पानी की बोतल के पास पहुँचना चाहता था। दिक्क़त यह थी कि उसके पैर हिलना भी नहीं चाहते थे। जब वह काँपता हुआ वहीं खड़ा रहा और ख़ुद को सँभालने की कोशिश करने लगा, तो ठंडी आवाज़ फुफकारने की जगह अचानक एक बार फिर बोलने लगी।

उसने कहा, 'वर्मटेल, नागिनी बड़ी रोचक ख़बर लाई है।'

वर्मटेल बोला, 'सच - सचमुच, मालिक?'

'हाँ,' ठंडी आवाज़ ने कहा। 'नागिनी का कहना है कि एक बूढ़ा मगलू इस कमरे के बाहर खड़ा-खड़ा हमारी सारी बातें सुन रहा है।'

फ्रैंक के पास छिपने का कोई मौक़ा नहीं था। क़दमों की आहट आई और कमरे का दरवाज़ा पूरा खुल गया।

वहाँ पर उसे एक नाटा और गंजा होता आदमी दिखाई दिया, जिसके बाल सफ़ेद हो रहे थे। उसकी नाक नुकीली थी और उसकी छोटी, पनीली आँखें फ्रैंक पर जम गईं। उसके चेहरे पर डर और दहशत का भाव था।

'वर्मटेल, उसे अंदर बुला लो। तुम्हारी तहज़ीब कहाँ चली गई?'

ठंडी आवाज़ आग के सामने वाली पुरानी कुर्सी से आ रही थी, लेकिन फ्रैंक को ठंडी आवाज़ वाला दिख नहीं पाया। दूसरी ओर नागिन अँगीठी के पास की ख़स्ताहाल दरी पर कुंडली मारकर पालतू कुत्ते की तरह बैठी थी।

वर्मटेल ने फ्रैंक को कमरे के अंदर आने का इशारा किया। हालाँकि फ्रैंक अब भी बुरी तरह से दहला हुआ था, लेकिन उसने अपनी छड़ी कसकर पकड़ ली और लँगड़ाते हुए दहलीज़ पार की।

कमरे में सिर्फ़ आग की ही रोशनी थी। इसके कारण दीवारों पर लंबी, मकड़ी जैसी छायाएँ पड़ रही थीं। फ्रैंक ने कुर्सी के पिछले हिस्से को घूरा। उस पर बैठा आदमी निश्चित रूप से अपने सेवक से भी नाटा होगा, क्योंकि फ्रैंक को उसके सिर का पिछला हिस्सा नहीं दिख रहा था।

ठंडी आवाज़ ने फ्रैंक से पूछा, 'तुमने सब कुछ सुन लिया, मगलू?'

'तुम मुझे किस नाम से बुला रहे हो?' फ्रैंक ने बहादुरी से कहा, क्योंकि कमरे के अंदर आ जाने के बाद उसका डर चला गया था। मुक़ाबला शुरू हो जाने के बाद वह बहादुरी से लड़ने लगा। युद्ध में भी हमेशा ऐसा ही होता था।

'मैं तुम्हें मगलू कह रहा हूँ,' ठंडी आवाज़ ने कहा। 'इसका मतलब यह है कि तुम जादूगर नहीं हो।'

'मैं नहीं जानता कि जादूगर से तुम्हारा क्या मतलब है,' फ्रैंक ने कहा, जिसकी आवाज़ अब सामान्य होती जा रही थी। 'मैं तो बस इतना जानता हूँ कि मैंने आज रात को जो बातें सुनी हैं, उन्हें जानने में पुलिस की दिलचस्पी होगी। तुमने हत्या की है तथा तुम किसी और की भी हत्या की योजना बना रहे हो! मैं तुम्हें यह बात भी बता दूँ,' उसने चालाकी से आगे जोड़ दिया, 'मेरी पत्नी जानती है कि मैं यहाँ आया हूँ, इसलिए अगर मैं वापस नहीं लौटा –'

'तुम्हारी कोई पत्नी नहीं है,' ठंडी आवाज़ ने बहुत धीमे से कहा। 'कोई भी नहीं जानता कि तुम यहाँ आए हो। तुम किसी को भी बताकर नहीं आए हो कि तुम यहाँ आ रहे हो। मगलू, लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट से झूठ मत बोलो, क्योंकि उन्हें सब कुछ पता रहता है ... वे हमेशा सब कुछ जानते हैं ...'

'अच्छा?' फ्रैंक ने रूखेपन से कहा। 'लॉर्ड हो क्या? देखिए *लॉर्ड साहब*, मुझे आपकी तहज़ीब कोई ज़्यादा पसंद नहीं आई। ज़रा अपना चेहरा तो दिखाइए। मर्द की तरह मेरे सामने आएँ।'

'लेकिन मैं मर्द नहीं हूँ, मगलू,' ठंडी आवाज़ आई, जो लकड़ियों के तड़कने की आवाज़ों के कारण अब मुश्किल से सुनाई दे रही थी। 'मैं तो मर्द से बहुत ज़्यादा महान हूँ। फिर भी ... क्यों नहीं? मैं तुम्हें अपना चेहरा दिखाता हूँ ... वर्मटेल, ज़रा आकर मेरी कुर्सी तो घुमाओ।'

वर्मटेल रिरियाने लगा।

'तुमने सुना नहीं, वर्मटेल।'

नाटा आदमी अपना चेहरा ऊपर करके धीरे-धीरे आगे बढ़ा। ऐसा लग रहा था, जैसे वह अपने मालिक और अँगीठी के पास वाली दरी पर बैठी नागिन की दिशा में नहीं जाना चाहता था। फिर वह कुर्सी को सरकाने लगा। जब कुर्सी के पाए नागिन की दरी पर आए, तो वह अपना बदसूरत तिकोना सिर उठाकर धीरे-धीरे फुफकारने लगी।

और फिर जब कुर्सी घूमी, तो फ्रैंक को दिख गया कि उस पर कौन बैठा था। उसकी छड़ी खट्ट की आवाज़ के साथ फ़र्श पर गिर गई। उसका मुँह खुल गया और वह जमकर चीख़ने लगा। वह इतनी ज़ोर से चीख़ रहा था कि उसे कुर्सी पर बैठे व्यक्ति के शब्द भी सुनाई नहीं दिए, जो उसने अपनी छड़ी उठाकर बोले थे। हरी रोशनी चमकी और फ्रैंक ब्राइस ज़मीन पर ढेर हो गया। वह फ़र्श पर गिरने से पहले ही मर चुका था।

दो सौ मील दूर हैरी पॉटर नाम का लड़का चौंककर जाग गया।

अध्याय दो

शाप का निशान

हैरी पीठ के बल लेटकर तेज़-तेज़ साँसें लेता रहा, जैसे वह बहुत दूर से दौड़ लगाकर आ रहा हो। एक भयानक सपने के कारण उसकी नींद खुल गई थी। हैरी के हाथ उसके माथे को अब भी कसकर पकड़े हुए थे। उसके माथे पर बिजली गिरने जैसा जो पुराना निशान था, वह उसकी उँगलियों के नीचे इस तरह जल रहा था, मानो किसी ने वहाँ पर कोई दहकती हुई सलाख रख दी हो।

वह उठकर बैठ गया। उसका एक हाथ घाव वाले निशान पर अब भी रखा हुआ था। दूसरे हाथ से उसने अँधेरे में अपने बिस्तर के पास वाली टेबल पर रखे चश्मे को टटोला। चश्मा लगाने के बाद उसे बेडरूम ज़्यादा अच्छी तरह दिखने लगा। खिड़की के बाहर लगे स्ट्रीट लैंप की हल्की नारंगी रोशनी पर्दों से छनकर आ रही थी।

हैरी ने एक बार फिर अपने निशान पर उँगलियाँ फेरीं। निशान में अब भी दर्द हो रहा था। उसने अपने बिस्तर के पास वाला लैंप जलाया और पलंग से नीचे उतर गया। कमरे को पार करके उसने अपनी अलमारी खोली और उसके अंदर लगे आईने में अपना हुलिया देखने लगा। वहाँ पर उसे चौदह साल के एक दुबले-पतले लड़के का प्रतिबिंब दिखाई दिया। उसके बिखरे काले बालों के नीचे चमकती हरी आँखें दुविधा में दिख रही थीं। उसने आईने में अपने बिजली गिरने जैसे निशान को ध्यान से देखा। वह सामान्य दिख रहा था, लेकिन वह अब भी बुरी तरह टीस दे रहा था।

हैरी ने याद करने की कोशिश की कि जागने से पहले वह कौन सा सपना देख रहा था। वह सपना इतना सच्चा लग रहा था ... सपने में दिखने वाले दो लोगों को तो वह जानता था, लेकिन तीसरे को नहीं जानता था ...

उसने त्योरियाँ चढ़ाकर दिमाग़ पर काफ़ी ज़ोर डाला और सपने को याद करने की कोशिश करने लगा ...

उसे एक अँधेरे कमरे की धुँधली तस्वीर याद आई ... अँगीठी के पास वाली दरी पर एक नागिन बैठी थी ... नाटा आदमी पीटर था, जिसका दूसरा नाम वर्मटेल था ... और वह ठंडी, तीखी आवाज़ ... लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट की आवाज़। हैरी को महसूस हुआ, जैसे इस विचार से ही उसके पेट में बर्फ़ का एक टुकड़ा पहुँच गया हो ...

उसने अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं और याद करने की कोशिश की कि वोल्डेमॉर्ट कैसा दिख रहा था, लेकिन उसे कुछ याद नहीं आया ... हैरी तो बस इतना जानता था कि जब वोल्डेमॉर्ट की कुर्सी घूमी थी और हैरी ने उसे देखा था, तो दहशत की लहर के कारण वह जाग गया था ... या फिर वह निशान दुखने के कारण जागा था?

और वह बूढ़ा कौन था? वहाँ निश्चित रूप से एक बूढ़ा आदमी भी था। हैरी ने उसे फ़र्श पर गिरते देखा था। यह सब बहुत उलझन भरा लग रहा था। बेडरूम की चीज़ों के कारण उसका ध्यान न भटके, इसलिए उसने अपने चेहरे पर दोनों हाथ रख लिए। फिर उसने उस धुँधली रोशनी वाले कमरे की तस्वीर को पकड़े रखने की कोशिश की, लेकिन यह काम पानी को मुट्ठी में पकड़कर रखने की कोशिश करने जैसा था। वह जितनी तेज़ी से यादों को पकड़े रखने की कोशिश कर रहा था, वे उतनी ही तेज़ी से फिसलती जा रही थीं ... वोल्डेमॉर्ट और वर्मटेल किसी औरत के बारे में बात कर रहे थे, जिसे उन्होंने मार डाला था, हालाँकि हैरी को उसका नाम याद नहीं था ... वे किसी और को भी मारने की योजना बना रहे थे ... *हैरी पॉटर* को ...

हैरी ने चेहरे पर से हाथ हटा लिए और आँखें खोलकर बेडरूम में चारों तरफ़ ध्यान से देखा, जैसे उसे वहाँ किसी असामान्य चीज़ के दिखने की उम्मीद हो। वैसे उसके कमरे में पहले से ही बहुत सारी असामान्य चीज़ें थीं। उसके पलंग के पैताने के पास लकड़ी का एक बड़ा संदूक खुला पड़ा था, जिसमें कड़ाही, झाड़ू, काले दुशाले और मंत्रों की किताबें रखी थीं। उसकी टेबल पर उसकी सफ़ेद उल्लू हेडविग का बड़ा सा ख़ाली पिंजरा रखा था। टेबल पर बची हुई जगह में चर्मपत्र बिखरे पड़े थे। पलंग के पास फ़र्श पर एक पुस्तक खुली पड़ी थी, जिसे पढ़ते-पढ़ते उसे नींद आ गई थी। इस पुस्तक में तस्वीरें हिल रही थीं। खिलाड़ी चमकीले नारंगी दुशाले पहनकर झाड़ुओं पर उड़ रहे थे। वे कभी दिखते थे, तो कभी ओझल हो जाते थे और एक-दूसरे की तरफ़ लाल गेंद फेंक रहे थे।

हैरी चलकर पुस्तक के पास पहुँचा। पुस्तक को उठाते समय उसने देखा कि एक जादूगर ने पचास फ़ुट ऊँची रिंग में गेंद डालकर शानदार गोल कर दिया था। फिर उसने पुस्तक बंद कर दी। यहाँ तक कि क्विडिच भी - जो हैरी की नज़र में दुनिया का सबसे अच्छा खेल था - इस समय उसका ध्यान नहीं भटका सकता था। उसने *फ़्लाइंग विथ द कैनन्स* पुस्तक अपने पलंग के पास वाली टेबल पर रख दी। इसके बाद वह खिड़की के पास गया और पर्दे खोलकर नीचे की सड़क की ओर देखने लगा।

प्रिविट ड्राइव की सड़क ठीक वैसी ही दिख रही थी, जैसी कि किसी सम्मानित उपनगरीय सड़क को शनिवार की सुबह दिखना चाहिए। सभी घरों की खिड़कियों के पर्दे लगे थे। जहाँ तक हैरी अँधेरे में देख सकता था, कोई भी जीवित प्राणी दिखाई नहीं दे रहा था, यहाँ तक कि बिल्ली भी नहीं।

लेकिन फिर भी ... फिर भी ... हैरी बेचैनी से वापस अपने पलंग पर बैठ गया। उसने अपने घाव के निशान पर एक बार फिर उँगली फेरी। उसे दर्द की चिंता नहीं थी। दर्द और घाव हैरी के लिए अपरिचित नहीं थे। एक बार उसके दाहिने हाथ की सारी हड्डियाँ ग़ायब हो चुकी थीं और उन्हें एक ही रात में दोबारा उगाना पड़ा था, जिसमें उसे काफ़ी दर्द हुआ था। उसी हाथ पर एक बार ज़हरीले साँप का एक फ़ुट लंबा दाँत गड़ा था। पिछले ही साल हैरी अपनी जादुई झाड़ू से पचास फ़ुट ऊपर से नीचे गिरा था। वह अजीबोग़रीब दुर्घटनाओं और चोटों का आदी हो चुका था। अगर आप हॉगवर्ट्स जादू और तंत्र के विद्यालय में पढ़ते हों और आपको मुसीबतें मोल लेने का शौक़ हो, तो इनसे बचा नहीं जा सकता था।

नहीं, हैरी तो इस बात से परेशान था कि पिछली बार उसके घाव का निशान इसलिए दुखा था, क्योंकि वोल्डेमॉर्ट आस-पास था ... लेकिन इस समय वोल्डेमॉर्ट यहाँ कैसे हो सकता है ... प्रिविट ड्राइव में वोल्डेमॉर्ट के आने की बात सोचना ही बकवास और असंभव था ...

हैरी अपने आस-पास की ख़ामोशी में ग़ौर से सुनने लगा। क्या वह सीढ़ी के चरमराने या फिर दुशाले के सरसराने की आवाज़ सुनने की उम्मीद कर रहा था? तभी उसे पास वाले कमरे से अपने मौसेरे भाई डडली का एक ज़ोरदार खर्राटा सुनाई दिया, जिसे सुनकर वह थोड़ा उछल पड़ा।

हैरी ने ख़ुद को सँभालने की कोशिश की। वह भी कितनी मूर्खता कर रहा था? घर में उसके सिवाय सिर्फ़ वरनॉन अंकल, पेटूनिया आंटी तथा डडली ही थे, और वे सभी चैन से सो रहे थे। उनके सपनों में कष्ट या दर्द का नामोनिशान तक नहीं था।

हैरी को डर्स्ली परिवार सोता हुआ ही अच्छा लगता था। जागने पर उसे उनसे कोई मदद नहीं मिलती थी। वरनॉन अंकल, पेटूनिया आंटी और डडली ही हैरी के इकलौते जीवित रिश्तेदार थे। वे मगलू (जादू न जानने वाले लोग) थे, जो किसी भी तरह के जादू से चिढ़ते और नफ़रत करते थे। इसका मतलब यह था कि हैरी का उनके घर पर उतना ही स्वागत होता था, जितना कि किसी गीली लकड़ी का। पिछले तीन साल से हैरी हॉगवर्ट्स में पढ़ रहा था। उसकी लंबी ग़ैर-हाज़िरी के बारे में डर्स्ली परिवार सबको यही बताता था कि उसे लाइलाज अपराधी लड़कों के लिए सुरक्षित सेंट ब्रूटस केंद्र में भेज दिया गया है। हालाँकि वे अच्छी तरह से जानते थे कि नाबालिग़ जादूगर होने के कारण हैरी को हॉगवर्ट्स से बाहर जादू करने की इज़ाज़त नहीं है, लेकिन इसके बावजूद घर में होने वाली हर अजीब घटना के लिए वे उसे ही दोष देते थे। हैरी उनसे कभी अपने दिल की बात नहीं कह पाता था। हैरी जादूगरों की दुनिया में अपनी ज़िंदगी के बारे में उन्हें कुछ नहीं बता सकता था। डर्स्ली परिवार के जागने पर वह उन्हें अपने दुखते निशान और वोल्डेमॉर्ट की चिंता के बारे में नहीं बता सकता था। यह सोचना ही हास्यास्पद था।

वोल्डेमॉर्ट की वजह से ही हैरी को डर्स्ली परिवार के साथ रहना पड़ रहा था। अगर वोल्डेमॉर्ट नहीं होता, तो हैरी के माथे पर बिजली गिरने के आकार का निशान भी नहीं होता। अगर वोल्डेमॉर्ट नहीं होता, तो हैरी के मम्मी-डैडी ज़िंदा होते ...

जब हैरी एक साल का था, तो इस सदी का सबसे ताक़तवर शैतानी जादूगर वोल्डेमॉर्ट - जो ग्यारह सालों से लगातार ज़्यादा ताक़तवर बनता जा रहा था - उनके घर आया था और उसने हैरी के मम्मी-डैडी को मार डाला था। इसके बाद वोल्डेमॉर्ट ने अपनी छड़ी हैरी की तरफ़ घुमाई थी। उसने हैरी को ऐसा मारक शाप दिया, जिससे वह बहुत से वयस्क जादूगरों और जादूगरनियों को अपने रास्ते से हटा चुका था - लेकिन अविश्वसनीय रूप से, वह शाप नाकाम हो गया। एक साल के छोटे से हैरी को मारने के बजाय शाप पलट गया और उसने वोल्डेमॉर्ट को ही निशाना बना डाला। हैरी को कुछ नहीं हुआ। उसके माथे पर सिर्फ़ बिजली गिरने जैसा निशान ही बना, जबकि वोल्डेमॉर्ट बमुश्किल ज़िंदा बचा। उसकी सारी शक्तियाँ चली गईं और उसकी ज़िंदगी लगभग ख़त्म हो गई। इसके बाद वोल्डेमॉर्ट भागकर कहीं छिप गया। जादूगर और जादूगरनियाँ लंबे समय से जिस दहशत भरे माहौल में रह रहे थे, वह अब ख़त्म हो गया। वोल्डेमॉर्ट के समर्थक बिखर गए और हैरी पॉटर मशहूर हो गया।

ग्यारहवें जन्मदिन पर हैरी को यह जानकर बहुत हैरानी हुई कि वह एक जादूगर है। उसे यह जानकर तो और भी ज़्यादा हैरानी हुई कि जादूगरों की छिपी हुई दुनिया में सभी लोग उसका नाम जानते थे। हैरी ने हॉगवर्ट्स में आकर देखा कि वह जहाँ भी जाता था, लोग अपना सिर घुमाकर उसे देखने और फुसफुसाने लगते थे। लेकिन अब उसे इसकी आदत पड़ चुकी थी। इस गर्मी की छुट्टियों के बाद हॉगवर्ट्स में उसका चौथा साल शुरू होगा। वह दोबारा हॉगवर्ट्स में कब पहुँचेगा, इसके लिए वह दिन गिन रहा था।

लेकिन स्कूल जाने में अभी भी पंद्रह दिन बाक़ी थे। उसने एक बार फिर कमरे में चारों तरफ़ देखा। उसकी निगाह अपने दो सबसे अच्छे दोस्तों द्वारा भेजे बर्थडे कार्ड्स पर ठहर गई, जो उन्होंने उसे जुलाई के अंत में भेजे थे। अगर वह उन्हें चिट्ठी लिखकर बताए कि उसका निशान दुख रहा है, तो वे क्या कहेंगे?

अचानक हर्माइनी ग्रेंजर की तीखी और दहशत भरी आवाज़ उसके दिमाग़ में गूँजने लगी।

'तुम्हारा निशान दुख रहा था? हैरी, यह तो सचमुच गंभीर बात है ... प्रोफ़ेसर डम्बलडोर को फ़ौरन चिट्ठी लिखकर बताओ! और मैं जाकर **सामान्य जादुई बीमारियाँ और दर्द** *नाम की पुस्तक में देखती हूँ ... शायद उसमें शाप के निशानों के बारे में कोई जानकारी मिल जाए ...'*

हाँ, हर्माइनी यही सलाह देगी : हॉगवर्ट्स के हेडमास्टर को तत्काल बताओ और जवाब मिलने तक किसी पुस्तक में जानकारी खोजो। हैरी खिड़की के बाहर नीले-काले आसमान को देखने लगा। उसे नहीं लगता था कि इस मामले में कोई पुस्तक उसकी मदद कर पाएगी। जहाँ तक उसे मालूम था, वोल्डेमॉर्ट ने उसे जो शाप दिया था, उससे आज तक सिर्फ़ वही बच पाया था। इसलिए *सामान्य जादुई बीमारियाँ और दर्द* नामक पुस्तक में उसके लक्षणों के मिलने की बहुत कम संभावना थी। जहाँ तक हेडमास्टर को बताने की बात थी, हैरी को यह नहीं मालूम था कि डम्बलडोर गर्मी की छुट्टियों में कहाँ होंगे। उसने एक पल के लिए तो यह कल्पना करके अपना दिल बहलाया कि डम्बलडोर अपनी लंबी सफ़ेद दाढ़ी के साथ जादूगरों वाला दुशाला और नोकदार हैट पहनकर किसी समुद्र तट पर लेटे हैं और अपनी मुड़ी हुई लंबी नाक पर सनटैन लोशन लगा रहे हैं। बहरहाल, हैरी को यक़ीन था कि डम्बलडोर चाहे जहाँ भी हों, हेडविग उन्हें ढूँढ़ ही लेगी। हैरी की उल्लू अब तक उसकी चिट्ठी पहुँचाने में एक बार भी नाकामयाब नहीं हुई थी, भले ही उस पर पता न लिखा हो। लेकिन वह उन्हें क्या बताएगा?

प्रिय प्रोफ़ेसर डम्बलडोर, आपको परेशान करने के लिए माफ़ी चाहता हूँ, लेकिन आज सुबह मेरा निशान दुखा था। हैरी पॉटर।

यहाँ तक कि अपने मन में भी उसे ये शब्द मूर्खतापूर्ण लग रहे थे।

इसलिए उसने यह कल्पना करने की कोशिश की कि यह सुनकर उसके दूसरे सबसे अच्छे दोस्त रॉन वीज़्ली की प्रतिक्रिया क्या होगी। रॉन का लंबी नाक वाला और चकत्तेदार चेहरा फ़ौरन हैरी की आँखों के सामने आ गया, जिस पर एक अजीब सा भाव था।

'तुम्हारा निशान दुख रहा था, लेकिन ... लेकिन तुम-जानते-हो-कौन तो आस-पास नहीं हो सकता? मेरा मतलब है ... तुम्हें पता चल जाएगा, है ना? वह दोबारा तुम्हें मारने के बारे में सोच रहा होगा, है ना? क्या पता हैरी, लेकिन शायद शाप के निशान हमेशा थोड़े-बहुत दुखते होंगे ... मैं डैडी से पूछूँगा ...'

मिस्टर वीज़्ली बहुत ही क़ाबिल जादूगर थे और जादू मंत्रालय में मगलू वस्तु दुरुपयोग विभाग में काम करते थे, लेकिन जहाँ तक हैरी जानता था, वे शापों के विशेषज्ञ नहीं थे। चाहे जो हो, हैरी नहीं चाहता था कि पूरे वीज़्ली परिवार को यह पता चल जाए कि वह थोड़े से दर्द के कारण दहशत में आ गया था। मिसेज़ वीज़्ली तो हर्माइनी से भी ज़्यादा परेशान हो जाएँगी। इसके अलावा रॉन के बड़े जुड़वाँ भाई फ़्रेड और जॉर्ज, जिनकी उम्र सोलह साल थी, यह भी सोच सकते हैं कि हैरी की हिम्मत जवाब दे रही है। वीज़्ली परिवार दुनिया में हैरी का सबसे प्रिय परिवार था। वह उम्मीद कर रहा था कि वे उसे किसी भी समय अपने घर पर रहने के लिए आमंत्रित करेंगे, ताकि वह उनके साथ क्विडिच कप देखने जा सके (रॉन ने क्विडिच वर्ल्ड कप का ज़िक्र किया था)। हैरी यह क़तई नहीं चाहता था कि उनके घर पर रहते समय वे लोग उसके निशान के बारे में चिंता भरे सवाल पूछें।

हैरी ने अपनी उँगलियों की गाँठों से अपना माथा गूँथा। दरअसल वह यह चाहता था (और यह सोचकर उसे शर्म आ रही थी) कि उसे सलाह देने वाला व्यक्ति उसके मम्मी-डैडी जैसा और वयस्क जादूगर हो, जो उसकी परवाह करता हो, जिसे काले जादू का अनुभव हो और जिससे सलाह माँगने में उसे शर्म न आए ...

और तभी उसे समाधान सूझ गया। यह इतना आसान और स्पष्ट था कि उसे हैरानी हुई कि यह ख़्याल उसके दिमाग़ में पहले क्यों नहीं आया – *सिरियस*।

हैरी उछलकर पलंग से कूद गया। वह तेज़ी से जाकर अपनी डेस्क

पर बैठ गया। उसने एक चर्मपत्र खींचकर अपने सामने रखा, अपनी बाज के पंख वाली क़लम को स्याही में डुबाया और लिखने लगा : *प्रिय सिरियस।* फिर वह ठहरकर सोचने लगा कि अपनी समस्या को सबसे अच्छे शब्दों में किस तरह लिखा जाए। उसे अब भी इस बात पर हैरानी हो रही थी कि उसने सिरियस के बारे में एकदम क्यों नहीं सोचा। लेकिन शायद इसमें हैरानी की ज़्यादा बात नहीं थी - आख़िर, उसे सिर्फ़ दो महीने पहले ही तो यह पता चला था कि सिरियस उसका गॉडफ़ादर है।

तब तक हैरी की ज़िंदगी में सिरियस का नामोनिशान तक नहीं था और इसका कारण सीधा सा था - सिरियस जादूगरों की ख़ौफ़नाक जेल अज़्काबान में क़ैद था, जहाँ दमपिशाच पहरा देते हैं। अंधे दमपिशाच आत्माओं को चूस लेते हैं। सिरियस के वहाँ से भागने के बाद वे उसकी तलाश में हॉगवर्ट्स भी आए थे। बहरहाल सिरियस बेक़सूर था। जिन हत्याओं के लिए उसे सज़ा मिली थी, वे उसने नहीं, बल्कि वोल्डेमॉर्ट के समर्थक वर्मटेल ने की थीं, जिसे लगभग सभी लोग अब भी मरा हुआ मानते थे। हक़ीक़त सिर्फ़ हैरी, रॉन और हर्माइनी को ही मालूम थी। पिछले साल वर्मटेल से उनका आमना-सामना हो चुका था, हालाँकि उनकी इस बात पर सिर्फ़ प्रोफ़ेसर डम्बलडोर ने ही यक़ीन किया था।

एक सुखद घंटे तक हैरी यह सोचने लगा था कि अब आख़िरकार डर्स्ली परिवार से उसका पीछा हमेशा के लिए छूट जाएगा, क्योंकि सिरियस ने उससे कहा था कि उसके नाम पर लगा कलंक धुलने के बाद हैरी उसके साथ रह सकता है। लेकिन यह मौक़ा उसके हाथ से फिसल गया था। वे लोग वर्मटेल को जादू मंत्रालय के पास पहुँचा पाते, इससे पहले ही वह बच निकला था और सिरियस को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा था। हैरी ने बकबीक नामक गरुड़अश्व की पीठ पर बैठकर भागने में उसकी मदद की थी। तभी से सिरियस छिपा हुआ था। हैरी पूरी गर्मी भर यही सोच-सोचकर दुखी हो रहा था कि अगर वर्मटेल नहीं भागा होता, तो हैरी को घर मिल जाता। डर्स्ली परिवार के पास लौटना दोगुना मुश्किल था, जब उसे यह पता चल चुका था कि वह उनके चंगुल से हमेशा के लिए आज़ाद हो सकता था।

बहरहाल, भले ही सिरियस हैरी के साथ नहीं रह रहा था, लेकिन उसकी बदौलत हैरी को बहुत मदद मिली थी। सिरियस के ही कारण हैरी के स्कूल का सारा सामान उसके बेडरूम में रखा हुआ था। डर्स्ली परिवार ने पहले कभी उसे इस बात की इज़ाज़त नहीं दी थी। वे हैरी को ज़्यादा से ज़्यादा दुखी देखना चाहते थे। वे उसकी शक्तियों से भी डरते थे, इसीलिए हर साल गर्मी की छुट्टियों में वे उसके स्कूल का संदूक सीढ़ियों के नीचे वाली अलमारी में

ताले में बंद रखते थे। लेकिन जब से उन्हें यह पता चला कि हैरी का एक गॉडफ़ादर भी है, जो एक ख़तरनाक ख़ूनी है, तब से उनका व्यवहार बदल गया। हैरी ने जान-बूझकर उन्हें यह नहीं बताया कि सिरियस बेक़सूर है।

प्रिविट ड्राइव में आने के बाद हैरी को अब तक सिरियस की दो चिट्ठियाँ मिली थीं। दोनों चिट्ठियाँ उल्लू लेकर नहीं आए थे, जैसी कि जादूगरों की परंपरा थी। इसके बजाय उन्हें बड़े और रंग-बिरंगे उष्णकटिबंधी पक्षी लाए थे। हेडविग को ये शान झाड़ने वाले घुसपैठिए पसंद नहीं आए। वह उनके दोबारा उड़ने से पहले उन्हें अपनी ट्रे में से पानी तक नहीं पीने देना चाहती थी। बहरहाल, हैरी को ये पक्षी पसंद आए। उन्हें देखकर उसके मन में ताड़ के पेड़ों और सफ़ेद रेत की तस्वीर आ गई तथा वह आशा करने लगा कि सिरियस जहाँ भी हो, ख़ुश रहे (सिरियस ने यह नहीं बताया था कि वह कहाँ है, क्योंकि उसे यह डर था कि कहीं कोई दूसरा उसकी चिट्ठी न पढ़ ले)। हैरी यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि दमपिशाच गर्म देशों में ज़्यादा समय तक ज़िंदा रह पाएँगे; शायद इसी कारण सिरियस दक्षिण दिशा में गया था। हैरी ने सिरियस की चिट्ठियाँ पलंग के नीचे फ़र्श के बहुत ही उपयोगी ढीले बोर्ड के नीचे छिपा दी थीं। दोनों ही चिट्ठियों में सिरियस ख़ुश लग रहा था और उसने कहा था कि ज़रूरत पड़ने पर हैरी उससे मदद माँग सकता है। और इस वक़्त हैरी को मदद की ज़रूरत थी ...

हैरी को लैंप की रोशनी अचानक धीमी दिखने लगी, क्योंकि सूर्योदय से पहले की ठंडी धूसर रोशनी धीरे-धीरे कमरे में आ रही थी। आख़िरकार जब सूर्य आसमान में चढ़ने लगा और उसके बेडरूम की दीवारें सुनहरी हो गईं तथा वरनॉन अंकल और पेटूनिया आंटी के कमरे से आवाज़ें सुनाई देने लगीं, तो हैरी ने अपनी डेस्क से चर्मपत्रों को हटाया और अपनी चिट्ठी को दोबारा पढ़ा।

प्रिय सिरियस,

तुम्हारे पिछले पत्र के लिए धन्यवाद। उसे लाने वाला पक्षी बहुत बड़ा था। उसे मेरी खिड़की से अंदर आने में काफ़ी मुश्किल हुई थी।

यहाँ पर सब कुछ हमेशा जैसा ही है। डडली की डाइटिंग ज़्यादा अच्छी तरह नहीं चल रही है। कल वह खाने का सामान चोरी से अपने कमरे में ले जा रहा था,

लेकिन आंटी ने उसे पकड़ लिया। अंकल-आंटी ने उसे चेतावनी दी है कि दोबारा ऐसी हरकत करने पर उसका जेब ख़र्च कम कर दिया जाएगा। इससे डडली भड़क गया और उसने तैश में आकर अपना प्ले-स्टेशन खिड़की के बाहर फेंक दिया। प्ले-स्टेशन एक तरह का कंप्यूटर होता है, जिस पर गेम खेले जाते हैं। दरअसल यह मूर्खतापूर्ण है, लेकिन उसके पास मेगा-म्यूटिलेशन पार्ट थ्री भी नहीं है, जिससे वह अपना मन बहला सके।

*तुम्हारी बदौलत मैं **ठीक** हूँ। डर्स्ली परिवार को इस बात का डर है कि अगर मैं तुमसे कहूँगा, तो तुम आकर उन्हें चमगादड़ों में बदल दोगे।*

बहरहाल, आज सुबह एक अजीब घटना हुई। मेरे माथे का निशान दोबारा दुखने लगा। पिछली बार जब ऐसा हुआ था, तो वोल्डेमॉर्ट हॉगवर्ट्स में था। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह इस समय मेरे आस-पास हो सकता है। क्या शाप के निशानों में बार-बार दर्द होता है?

हेडविग के लौटते ही मैं यह चिट्ठी भेज दूँगा। इस समय वह शिकार करने गई है। मेरी तरफ़ से बकबीक को हैलो कहना।

हैरी

हैरी ने सोचा, हाँ, यह चिट्ठी बिलकुल ठीक दिख रही है। सपने के बारे में लिखने से कोई फ़ायदा नहीं होगा। वह यह ज़ाहिर नहीं करना चाहता था कि वह बहुत चिंतित है। उसने चर्मपत्र को मोड़कर अपनी डेस्क पर एक तरफ़ रख दिया, ताकि हेडविग के लौटने पर उसे भेज सके। फिर वह उठा और उसने अँगड़ाई लेते हुए एक बार फिर अपनी अलमारी खोली। लेकिन इस बार अपने प्रतिबिंब की तरफ़ देखे बिना वह नाश्ते के लिए नीचे जाने से पहले कपड़े पहनने लगा।

अध्याय तीन

आमंत्रण

हैरी ने किचन में पहुँचकर देखा कि डर्स्ली परिवार के तीनों सदस्य टेबल के आस-पास बैठे हुए थे। वह भी उनके पास बैठ गया, लेकिन उनमें से किसी ने भी ऊपर नहीं देखा। वरनॉन अंकल का बड़ा लाल चेहरा सुबह के *डेली मेल* अख़बार के पीछे छिपा था और पेटूनिया आंटी ग्रेपफ्रूट के टुकड़े कर रही थीं। पेटूनिया आंटी के होंठ उनके घोड़े जैसे दाँतों पर भिंचे हुए थे।

डडली बहुत ग़ुस्से में दिख रहा था। ऐसा लग रहा था, जैसे वह सामान्य से ज़्यादा जगह घेर रहा था। यह बड़ी अजीब बात थी, क्योंकि वह हमेशा चौकोर टेबल का एक पूरा हिस्सा घेर लेता था। पेटूनिया आंटी ने ग्रेपफ्रूट का चौथाई टुकड़ा डडली की प्लेट में रखते हुए कहा, 'लो डिडी बेटा।' यह सुनकर डडली ने उन्हें ग़ुस्से से घूरकर देखा। जब से वह गर्मियों में अपना सालाना रिपोर्ट कार्ड लेकर घर लौटा था, तभी से उसकी ज़िंदगी बड़ी दुख भरी हो गई थी।

वरनॉन अंकल और पेटूनिया आंटी ने डडली के ख़राब नंबरों के लिए हमेशा की तरह बहाने खोज लिए थे। पेटूनिया आंटी हमेशा ज़ोर देकर कहती थीं कि डडली बहुत ही प्रतिभाशाली है, लेकिन उसके टीचर्स उसकी प्रतिभा को नहीं पहचान पाए हैं। जबकि वरनॉन अंकल यह कहते थे कि 'वे अपने बेटे को गऊ जितना सीधा-सादा नहीं बनाना चाहते।' रिपोर्ट में यह भी लिखा था कि डडली दूसरे लड़कों को परेशान करता और सताता था, लेकिन उसके मम्मी-डैडी ने इस बात पर भी ध्यान नहीं दिया। पेटूनिया आंटी ने आँखों में आँसू भरते हुए कहा, 'वह थोड़ा शरारती तो है, लेकिन मक्खी तक को नुक़सान नहीं पहुँचा सकता!'

बहरहाल, रिपोर्ट के अंत में स्कूल की नर्स ने चुनिंदा शब्दों में एक

टिप्पणी लिखी थी। इसके बारे में वरनॉन अंकल और पेटूनिया आंटी भी बहाने नहीं बना सकते थे। चाहे पेटूनिया आंटी कितना ही कहें कि डडली की हड्डियाँ बड़ी थीं और उसका मोटापा दरअसल सेहत की निशानी है, तथा बड़े होते बच्चों को ढेर सारे खाने की ज़रूरत होती है, लेकिन सच्चाई यह थी कि स्कूल में अब उसके नाप की यूनिफ़ॉर्म नहीं थी। स्कूल की नर्स ने वह देख लिया था जो पेटूनिया आंटी की आँखें देखने से इंकार कर रही थीं। हालाँकि उनकी आँखें इतनी तेज़ थीं कि अपनी चमकती दीवारों पर उँगलियों के निशान तत्काल देख लेती थीं और अपने पड़ोसियों के यहाँ आने-जाने वालों पर पूरी नज़र रखती थीं। स्कूल नर्स ने साफ़ शब्दों में लिखा था कि डडली को अतिरिक्त पोषण की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि उसका डील-डौल और वज़न तो अब किसी छोटी व्हेल के बराबर हो चुका है।

इस पर काफ़ी कोहराम मचा और बहस हुई, जिससे हैरी के बेडरूम का फ़र्श हिल गया। पेटूनिया आंटी के काफ़ी आँसू बहाने के बाद आख़िरकार डडली की डाइटिंग योजना शुरू हो गई। स्मेल्टिंग्स की स्कूल नर्स ने जो डाइटिंग चार्ट भेजा था, उसे फ़्रिज पर टेप से चिपका दिया गया। यही नहीं, फ़्रिज में से डडली की सभी प्रिय चीज़ें हटा दी गईं, जैसे सॉफ़्ट ड्रिंक्स, केक, चॉकलेट, बर्गर। इसके बजाय अब उसमें फल, सब्ज़ियाँ और ऐसी चीज़ें भर दी गईं, जिन्हें वरनॉन अंकल 'ख़रगोशों का भोजन' कहते थे। डडली को ख़ुश करने के लिए पेटूनिया आंटी ने ज़ोर देकर कहा कि पूरे परिवार को उसी डाइटिंग चार्ट के हिसाब से खाना मिलेगा। उन्होंने हैरी की तरफ़ ग्रेपफ़्रूट का चौथाई हिस्सा बढ़ा दिया। हैरी ने देखा कि उसका टुकड़ा डडली के टुकड़े से काफ़ी छोटा था। पेटूनिया आंटी की राय में डडली का मनोबल बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीक़ा यह था कि उसे हैरी से ज़्यादा खाने को मिले।

लेकिन पेटूनिया आंटी यह नहीं जानती थीं कि हैरी के फ़र्श के ढीले बोर्ड के नीचे क्या छिपा हुआ था। उन्हें ज़रा भी पता नहीं था कि हैरी डाइटिंग चार्ट का बिलकुल भी पालन नहीं कर रहा था। जिस पल हैरी को यह पता चला कि उसे गर्मियों में गाजर-मूली खाकर ज़िंदा रहना पड़ेगा, उसने फ़ौरन हेडविग को अपने दोस्तों के पास भेजकर मदद माँगी। और उन्होंने उसका पूरा साथ दिया। हर्माइनी के घर से हेडविग एक बड़ा बॉक्स लेकर आई, जिसमें बिना शकर के खाद्य-पदार्थ थे (हर्माइनी के मम्मी-डैडी डेंटिस्ट हैं)। हॉगवर्ट्स के गेमकीपर हैग्रिड ने घर पर बनाए रॉक केक की पूरी थैली भेज दी (लेकिन हैरी ने उन्हें छुआ तक नहीं, क्योंकि हैग्रिड की पाक कला के बारे में उसके ज़्यादा अच्छे अनुभव नहीं थे)। मिसेज़ वीज़्ली ने अपने पारिवारिक उल्लू एरल के साथ एक बड़ा फ़्रूट केक और पेस्ट्रीज़ भेजी थीं।

बूढ़े और कमज़ोर एरल को इस यात्रा की थकान उतारने में पूरे पाँच दिन लगे। और फिर हैरी के बर्थडे पर (जिसे डर्स्ली परिवार पूरी तरह भूल गया था) उसे चार बेहतरीन बर्थडे केक मिले, जो रॉन, हर्माइनी, हैग्रिड और सिरियस ने भेजे थे। हैरी के पास अब भी उनमें से दो केक बचे थे, इसलिए वह शिकायत किए बिना ग्रेपफ्रूट खाता रहा। वह अच्छी तरह से जानता था कि अपने कमरे में जाने के बाद वह डटकर नाश्ता कर सकता है।

वरनॉन अंकल ने अख़बार को एक तरफ़ रखा और अपने ग्रेपफ्रूट के चौथाई हिस्से को बड़ी अरुचि से देखा।

उन्होंने शिकायती अंदाज़ में पेटूनिया आंटी से पूछा, 'बस इतना ही?'

पेटूनिया आंटी ने उन्हें घूरकर देखा और फिर डडली की तरफ़ इशारा किया, जो अपना ग्रेपफ्रूट का टुकड़ा ख़त्म कर चुका था और अपनी सुअर जैसी छोटी आँखों से हैरी के टुकड़े को हसरत से एकटक देख रहा था।

वरनॉन अंकल ने ज़ोरदार आह भरी, जिससे उनकी बड़ी, घनी मूँछ हिल गई। इसके बाद उन्होंने अपनी चम्मच उठाई।

तभी दरवाज़े की घंटी बजी। वरनॉन अंकल कुर्सी से उठकर हॉल की तरफ़ चल दिए। जब पेटूनिया आंटी केतली में उलझी थीं, तो मौक़े का फ़ायदा उठाकर डडली ने एक ही झटके में वरनॉन अंकल का बचा हुआ ग्रेपफ्रूट चुरा लिया।

हैरी ने सुना कि दरवाज़े पर कोई हँस रहा था और वरनॉन अंकल रूखेपन से उसकी बात का जवाब दे रहे थे। फिर सामने वाला दरवाज़ा बंद हो गया और हॉल से काग़ज़ फटने की आवाज़ आई।

पेटूनिया आंटी ने केतली टेबल पर रख दी और उत्सुकता से इंतज़ार करने लगीं कि वरनॉन अंकल क्या लेकर आ रहे हैं। उन्हें ज़्यादा देर इंतज़ार नहीं करना पड़ा। एक मिनट बाद ही वरनॉन अंकल लौट आए। वे आगबबूला दिख रहे थे।

उन्होंने हैरी से गुर्राकर कहा, 'तुम ड्रॉइंग रूम में आओ। अभी।'

हैरी इस बात पर हैरान था कि इस बार उससे कौन सी ग़लती हो गई। बहरहाल, वह उठकर खड़ा हुआ और वरनॉन अंकल के पीछे-पीछे किचन से बाहर निकलकर ड्रॉइंग रूम में पहुँच गया। वरनॉन अंकल ने दरवाज़े को तेज़ी से बंद कर दिया।

'तो,' उन्होंने तेज़ी से अँगीठी की तरफ़ जाते हुए हैरी से कहा, जैसे वे उसे गिरफ़्तार करने का आदेश सुनाने वाले हों। *'तो।'*

हैरी का यह पूछने का मन हुआ, 'तो क्या?' लेकिन उसे वरनॉन अंकल के ग़ुस्से को सुबह-सुबह जगाना ठीक नहीं लगा। ख़ास तौर पर तब, जब वे कम भोजन मिलने के कारण पहले से ही काफ़ी तनाव में थे। इसलिए वह अपने चेहरे पर विनम्रतापूर्वक हैरानी का भाव लाकर उन्हें देखता रहा।

'यह अभी हाल आई है,' वरनॉन अंकल ने हैरी की तरफ़ एक बैंगनी काग़ज़ लहराते हुए कहा। 'चिट्ठी है। तुम्हारे बारे में।'

हैरी की उलझन बढ़ गई। वरनॉन अंकल को उसके बारे में कौन चिट्ठी लिख सकता है? उसका ऐसा कौन सा परिचित था, जो पोस्टमैन के माध्यम से चिट्ठी भेजेगा?

वरनॉन अंकल ने हैरी को ग़ुस्से से घूरा और फिर ज़ोर से चिट्ठी पढ़ने लगे :

प्रिय मिस्टर और मिसेज़ डर्स्ली,

हमारा कभी परिचय नहीं हुआ है, लेकिन मुझे यक़ीन है कि हैरी ने आपको मेरे बेटे रॉन के बारे में काफ़ी कुछ बताया होगा।

जैसा कि हैरी ने आपको बताया होगा, अगले सोमवार की रात को क्विडिच वर्ल्ड कप का फ़ाइनल होने वाला है। मेरे पति आर्थर जादुई रवेल विभाग के संपर्कों की बदौलत बढ़िया टिकट लाने में कामयाब हो गए हैं।

मुझे उम्मीद है कि आप हैरी को हमारे साथ मैच देखने जाने की इजाज़त दे देंगे, क्योंकि ऐसा मौक़ा ज़िंदगी में कभी-कभार ही मिलता है। ब्रिटेन में तीस साल बाद वर्ल्ड कप हो रहा है और टिकट बड़ी मुश्किल से मिले हैं। अगर हैरी गर्मी की बची हुई छुट्टियों में हमारे घर रहेगा, तो हमें ख़ुशी होगी। हम उसे स्कूल जाने वाली ट्रेन में सुरक्षित बैठा देंगे।

यह सबसे अच्छा रहेगा कि आप अपना जवाब हैरी को बता दें, ताकि वह सामान्य तरीक़े से हमें ख़बर

कर दे। इसकी वजह यह है कि मगलू पोस्टमैन हमारे घर पर आज तक एक भी चिट्ठी नहीं लाया है और मुझे लगता है, उसे यह पता ही नहीं होगा कि हमारा घर कहाँ है।

हैरी को जल्दी देखने की आशा में,

आपकी

मॉली वीज़्ली

पुनश्च : मुझे आशा है कि हमने पर्याप्त टिकट लगा दिए होंगे।

वरनॉन अंकल ने चिट्ठी पढ़ना बंद करके अपना हाथ जेब में डाला और उसमें से एक चीज़ बाहर निकाली।

वे गुर्राकर बोले, 'इसे देखो।'

उनके हाथ में वह लिफ़ाफ़ा था, जिसमें मिसेज़ वीज़्ली की चिट्ठी आई थी। हैरी ज़ोर से हँसने वाला था, लेकिन उसने ख़ुद को रोक लिया। पूरे लिफ़ाफ़े पर टिकट ही टिकट लगे हुए थे, सिर्फ़ सामने की तरफ़ एक इंच की जगह ख़ाली छूटी थी, जिसमें मिसेज़ वीज़्ली ने छोटे-छोटे अक्षरों में डर्स्ली दंपति का पता लिखा था।

'उन्होंने पर्याप्त टिकट तो लगाए हैं,' हैरी ने इस तरह कहा, जैसे मिसेज़ वीज़्ली जैसी ग़लती कोई भी कर सकता था। वरनॉन अंकल की आँखें ग़ुस्से से लाल हो गईं।

'पोस्टमैन बहुत हैरान था,' उन्होंने दाँत भींचते हुए कहा। 'वह यह जानने के लिए बेताब था कि यह चिट्ठी कहाँ से आई है। इसीलिए उसने घंटी बजाई थी। उसे यह *बात* बहुत अजीब लग रही थी।'

हैरी कुछ नहीं बोला। किसी और को यह समझ में नहीं आता कि वरनॉन अंकल ज़्यादा टिकटों के बारे में इतने परेशान क्यों थे। लेकिन हैरी डर्स्ली परिवार के साथ बहुत लंबे समय से रह रहा था और वह अच्छी तरह से जानता था कि वे लोग हर असामान्य बात के बारे में बहुत संवेदनशील हैं। डर्स्ली परिवार का सबसे बड़ा डर यह था कि कहीं किसी को यह पता न चल जाए कि उनका मिसेज़ वीज़्ली जैसे लोगों के साथ किसी तरह का संबंध है (चाहे वह संबंध कितनी ही दूर का क्यों न हो)।

वरनॉन अंकल अब भी हैरी को ग़ुस्से से घूर रहे थे। उधर हैरी सामान्य दिखने की कोशिश कर रहा था। अगर उसने कोई मूर्खतापूर्ण बात या काम नहीं किया, तो उसे ज़िंदगी की सबसे मज़ेदार चीज़ मिल सकती है। उसने वरनॉन अंकल के कुछ कहने का इंतज़ार किया, लेकिन वे उसे लगातार घूरते रहे। आख़िर हैरी ने ख़ुद ही ख़ामोशी तोड़ने का फ़ैसला किया।

उसने पूछा, 'तो – मैं उनके घर रहने जा सकता हूँ?'

वरनॉन अंकल के बड़े, बैंगनी चेहरे पर एक हल्की सी थिरकन दिखाई दी। उनकी मूँछें हिलीं। हैरी को पता था कि उनका दिमाग़ इस वक़्त क्या सोच रहा होगा। वह जानता था कि वरनॉन अंकल की दो सबसे मूलभूत इच्छाओं में जमकर संघर्ष हो रहा होगा। हैरी को जाने की इज़ाज़त देने का मतलब हैरी को ख़ुशी पहुँचाना था और वरनॉन अंकल तेरह साल से इसके विरोध में काम कर रहे थे। दूसरी तरफ़, हैरी को गर्मी की बाक़ी छुट्टियों में वीज़्ली परिवार के यहाँ भेजने का मतलब यह भी था कि उन्हें उम्मीद से दो सप्ताह पहले ही उससे छुटकारा मिल जाएगा। वरनॉन अंकल हैरी को अपने घर में रखना क़तई पसंद नहीं करते थे। सोचने का समय निकालने के लिए वे मिसेज़ वीज़्ली की चिट्ठी की तरफ़ दोबारा देखने लगे।

उन्होंने दस्तख़त को हिक़ारत से घूरते हुए कहा, 'यह औरत कौन है?'

'आप उन्हें देख चुके हैं,' हैरी बोला। 'वे मेरे दोस्त रॉन की मम्मी हैं। पिछले टर्म के आख़िर में वे उसे हॉग – स्कूल की ट्रेन पर लेने आई थीं।'

उसके मुँह से 'हॉगवर्ट्स एक्सप्रेस' निकलने ही वाला था। बहरहाल, उसने ख़ुद को समय रहते रोक लिया, क्योंकि इससे उसके वरनॉन अंकल का ग़ुस्सा निश्चित रूप से भड़क जाता। डर्स्ली परिवार में कोई भी हैरी के स्कूल का नाम ज़ोर से नहीं लेता था।

वरनॉन अंकल ने अपने बड़े चेहरे को सिकोड़ लिया, जैसे वे कोई बहुत अप्रिय चीज़ याद करने की कोशिश कर रहे हों।

'वह गोलमटोल सी औरत?' उन्होंने आख़िरकार बड़बड़ाकर कहा। 'जिसके लाल बालों वाले ढेर सारे बच्चे थे?'

हैरी की त्योरियाँ चढ़ गईं। उसने सोचा, वरनॉन अंकल किसी को 'गोलमटोल' कैसे कह सकते हैं, जबकि उनका ख़ुद का बेटा डडली आख़िर उस मुक़ाम पर पहुँच गया था, जिस दिशा में वह तीन साल की उम्र से चल रहा था : अब उसकी चौड़ाई उसकी लंबाई से ज़्यादा हो चुकी थी।

वरनॉन अंकल दोबारा चिट्ठी पढ़ने लगे।

'क्विडिच,' उन्होंने धीरे से कहा। '*क्विडिच* – यह क्या बला है?'

हैरी को दूसरी बार चिढ़ हुई।

'यह एक खेल है,' उसने रूखेपन से कहा। 'जो झाड़ुओं पर खेला जाता है –'

'ठीक है, ठीक है!' वरनॉन अंकल ने ज़ोर से कहा। हैरी को यह देखकर संतुष्टि मिली कि उसके अंकल अब थोड़ी दहशत में दिख रहे थे। यह साफ़ नज़र आ रहा था कि वे अपने ड्रॉइंग रूम में 'झाड़ुओं' शब्द को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने एक बार फिर चिट्ठी पढ़ने में शरण ली। हैरी ने उनके होंठों को यह शब्द पढ़ते सुना, 'आप अपना जवाब हैरी को बता दें, ताकि वह सामान्य तरीक़े से हमें ख़बर कर दे।' उनका मुँह बन गया।

उन्होंने पूछा, '*सामान्य तरीक़े* से उनका क्या मतलब है?'

'जो हम लोगों के लिए सामान्य है,' हैरी ने कहा और इससे पहले कि उसके अंकल उसे रोक पाते, उसने तुरंत कह दिया, 'उल्लू द्वारा चिट्ठी भेजना। यही जादूगरों का सामान्य तरीक़ा है।'

वरनॉन अंकल इतने ग़ुस्से में आ गए, जैसे हैरी ने कोई बहुत ही गंदी बात कह दी हो। ग़ुस्से से काँपते हुए उन्होंने डरकर खिड़की की तरफ़ देखा, जैसे उन्हें यह उम्मीद हो कि उनके पड़ोसी काँच पर कान लगाकर उनकी बातें सुन रहे होंगे।

'तुम्हें यह कितनी बार बताना पड़ेगा कि मेरे घर में किसी तरह की अजीब बात का ज़िक्र नहीं होना चाहिए?' उन्होंने फुफकारते हुए कहा। उनके चेहरे का रंग अब गहरा जामुनी हो गया था। 'यह मत भूलो कि तुम यहाँ पर जिन कपड़ों में खड़े हो, वे पेटूनिया और मैंने तुम्हें दिए हैं –'

'ये तो डडली की उतरन हैं,' हैरी ने ठंडेपन से कहा। यह सच भी था। इस समय वह जो शर्ट पहने था, वह बहुत बड़ी थी। उसे इसकी आस्तीन पाँच बार मोड़नी पड़ती थी, तब कहीं जाकर उसे अपने हाथ दिखते थे और वह उनका उपयोग कर पाता था। उसकी शर्ट इतनी लंबी थी कि उसकी बहुत चौड़ी जीन्स के घुटनों से भी नीचे तक पहुँच जाती थी।

वरनॉन अंकल ने ग़ुस्से से काँपते हुए कहा, 'मैं इस तरह की बात सहन नहीं करूँगा!'

लेकिन हैरी अब उनके तेवर झेलने के लिए तैयार नहीं था। अब वे दिन लद गए थे, जब उसे मजबूरन डर्स्ली परिवार के हर मूर्खतापूर्ण नियम को मानना ही पड़ता था। वह डडली के डाइटिंग चार्ट का पालन नहीं कर रहा

था और उसने यह ठान लिया था कि वरनॉन अंकल चाहे जो कर लें, वह क्विडिच वर्ल्ड कप देखने के लिए जाकर ही रहेगा।

एक गहरी साँस खींचकर हैरी बोला, **'ठीक है,** तो आप मुझे वर्ल्ड कप देखने की इज़ाज़त नहीं देंगे। क्या अब मैं अपने कमरे में जा सकता हूँ? मैं अपने गॉडफ़ादर सिरियस को चिट्ठी लिख रहा हूँ।'

उसने तुरुप का पत्ता चल दिया था। उसने जादुई शब्द कह दिए थे। उसने देखा कि वरनॉन अंकल के चेहरे से बैंगनी रंग उड़ गया और यह बुरी तरह से फिंटी हुई ब्लैककरंट आइसक्रीम के रंग का दिखने लगा।

'तुम - तुम उन्हें चिट्ठी लिख रहे हो?' वरनॉन अंकल ने पूछा। हालाँकि वे अपनी आवाज़ को शांत रखने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनकी छोटी-छोटी आँखों की पुतलियाँ अचानक डर के मारे सिकुड़ गई थीं।

'जी हाँ,' हैरी ने सामान्य अंदाज़ में जवाब दिया। 'मैंने उन्हें काफ़ी समय से चिट्ठी नहीं लिखी है। आप जानते हैं, अगर उन्हें मेरी चिट्ठी नहीं मिली, तो वे सोचेंगे कि मुझे कुछ हो गया है।'

हैरी इन शब्दों से पड़ने वाले प्रभाव का आनंद लेने के लिए ठहर गया। उसे पता था कि वरनॉन अंकल के मोटे, काले और माँग निकले बालों के नीचे मौजूद दिमाग़ क्या सोच रहा होगा। अगर उन्होंने हैरी को चिट्ठी नहीं भेजने दी, तो सिरियस यह सोचने लगेगा कि हैरी के साथ बुरा बर्ताव हो रहा है। दूसरी तरफ़ अगर उन्होंने चिट्ठी भेजने दी, तो हैरी सिरियस को यह बता देगा कि वे लोग हैरी को क्विडिच वर्ल्ड कप में नहीं जाने दे रहे हैं और इस तरह सिरियस को पता चल जाएगा कि हैरी के साथ सचमुच बुरा बर्ताव हो रहा है। वरनॉन अंकल अब एक ही काम कर सकते थे। हैरी को उनके चेहरे पर उनका फ़ैसला इतनी ही स्पष्टता से दिख गया, कि जैसे उनकी घनी मूँछों वाला चेहरा आईना हो। हैरी ने अपनी मुस्कराहट रोकने और अपने चेहरे को सपाट रखने की कोशिश की। और फिर -

'अच्छा, तो ठीक है। तुम इस घटिया ... इस बेहूदा ... इस वर्ल्ड कप वाली चीज़ में जा सकते हो। तुम इन - इन वीज़्ली लोगों से कह देना कि वे तुम्हें यहाँ से ले जाएँ। मेरे पास इतनी फ़ुरसत नहीं है कि मैं तुम्हें देश भर में छोड़ने जा सकूँ। और तुम बाक़ी की छुट्टियाँ भी वहीं बिताना। और तुम अपने - अपने गॉडफ़ादर को भी यह बात बता देना ... उन्हें बता देना... उन्हें बता देना कि हमने तुम्हें जाने की इज़ाज़त दे दी है।'

'ठीक है,' हैरी ने ख़ुशी से झूमते हुए कहा।

वह मुड़ा और ड्रॉइंग रूम के दरवाज़े की तरफ़ चल दिया। उसके

इच्छा हो रही थी कि वह हवा में उछलकर नाचने लगे। वह जा रहा है ... वह वीज़्ली परिवार के यहाँ रहने जा रहा है। वह क्विडिच वर्ल्ड कप देखने जा रहा है!

बाहर हॉल में वह डडली से टकराते-टकराते बचा, जो दरवाज़े के पीछे खड़ा हुआ था। उसे उम्मीद थी कि हैरी को जमकर डाँट पड़ेगी, जिसे सुनकर उसे मज़ा आएगा। बहरहाल, हैरी के मुस्कराते हुए चेहरे को देखकर वह सदमे में आ गया।

'कितना *बढ़िया* नाश्ता था, है ना?' हैरी बोला। 'मेरा तो पेट भर गया, और तुम्हारा?'

डडली के चेहरे पर हैरानी का भाव देखकर हैरी हँस दिया। फिर एक बार में तीन-तीन सीढ़ियाँ लाँघकर वह जल्दी से अपने बेडरूम में घुस गया।

उसे सबसे पहले हेडविग दिखाई दी, जो वापस लौट आई थी। वह अपने पिंजरे में बैठकर अपनी बड़ी-बड़ी लाल आँखों से हैरी को घूर रही थी। वह अपनी चोंच इस तरह से कुटकुटा रही थी, जैसे वह किसी चीज़ से चिढ़ रही हो। जल्दी ही हैरी को पता चल गया कि वह किस बात से चिढ़ रही थी।

'आउच!' हैरी बोला।

एक छोटी, भूरी, पंख वाली टेनिस बॉल जैसी चीज़ हैरी के सिर से टकराई। हैरी अपने सिर को कसकर मलते हुए देखने लगा कि उससे कौन सी चीज़ टकराई थी। उसे एक उल्लू दिखा, जो इतना छोटा था कि उसकी मुट्ठी में आ सकता था। वह किसी पटाख़े की तरह रोमांचित होकर पूरे कमरे में उड़ रहा था। तब जाकर हैरी को एहसास हुआ कि उल्लू ने उसके पैरों पर एक चिट्ठी टपका दी है। हैरी नीचे झुका। वह लिफ़ाफ़े पर रॉन की लिखावट पहचान गया और उसने उसे खोल लिया। अंदर जल्दी में लिखी गई एक चिट्ठी थी।

*हैरी – **डैडी को टिकट मिल गए हैं** – आयरलैंड और बल्गारिया का मैच, सोमवार रात को। मम्मी मगलुओं को चिट्ठी लिख रही हैं, ताकि तुम्हें हमारे यहाँ रहने के लिए बुला सकें। उन्हें शायद मम्मी की चिट्ठी मिल चुकी होगी, लेकिन मुझे नहीं पता कि मगलुओं की डाक कितनी देर में पहुँचती है। इसलिए मैंने सोचा कि मैं पिग के हाथ ख़बर भिजवा दूँ।*

हैरी ने 'पिग' शब्द को घूरा और फिर उस छोटे उल्लू को देखा, जो अब छत पर लगे लैंपशेड के चारों तरफ़ घूम रहा था। वह कहीं से भी सुअर जैसा नहीं लग रहा था। शायद उसे रॉन की लिखावट ठीक से समझ में नहीं आई होगी। चिट्ठी में आगे लिखा था :

मगलुओं को अच्छा लगे या न लगे, हम तुम्हें लेने आ रहे हैं। तुम वर्ल्ड कप देखने का अवसर कैसे छोड़ सकते हो? मम्मी-डैडी का कहना है कि पहले इज़ाज़त माँगने का नाटक करना ज़्यादा अच्छा रहेगा। अगर वे हाँ कर देते हैं, तो तुम पिग के माध्यम से फ़ौरन जवाब भेज देना। हम तुम्हें रविवार को पाँच बजे लेने आ जाएँगे। अगर वे ना कहते हैं, तो भी तुम पिग को फ़ौरन भेज देना और हम तुम्हें फिर भी रविवार को पाँच बजे लेने आएँगे।

हर्माइनी आज दोपहर को आ रही है। पर्सी को अंतर्राष्ट्रीय जादुई सौहार्द्र विभाग में नौकरी मिल गई है। यहाँ आने के बाद उसके सामने विदेश के बारे में कोई बात मत छेड़ना, वरना वह तुम्हें बोर कर देगा।

जल्दी ही मिलते हैं – रॉन

'शांत हो जाओ!' हैरी बोला, जब छोटा उल्लू उसके सिर पर मँडराने लगा। वह तेज़ी से चीं-चीं कर रहा था। हैरी को लगा कि शायद वह इस बात पर गर्व कर रहा था कि उसने सही व्यक्ति तक चिट्ठी पहुँचा दी है। 'यहाँ आओ और मेरा जवाब लेते जाओ!'

उल्लू उतरकर हेडविग के पिंजरे के ऊपर बैठ गया। हेडविग ने उसे ग़ुस्से से देखा, जैसे कह रही हो कि ज़रा और पास आने की हिम्मत तो करो।

हैरी ने बाज के पंख वाली अपनी क़लम उठाई और नए चर्मपत्र पर चिट्ठी लिखने लगा :

*रॉन, सब कुछ **ठीक** है। मगलुओं ने आने की इज़ाज़त दे दी है। कल पाँच बजे मिलते हैं। मुझको सब्र नहीं हो रहा है।*
हैरी

उसने चिट्ठी को मोड़कर बहुत छोटा कर दिया और उसे छोटे उल्लू के पैर से बाँध दिया। उसे इस काम में बहुत मुश्किल आई, क्योंकि उल्लू रोमांच के कारण इधर-उधर फुदक रहा था। जिस पल चिट्ठी बँध गई, उल्लू उड़कर खिड़की से बाहर निकला और ओझल हो गया।

हैरी हेडविग की तरफ़ मुड़ा।

उसने उससे पूछा, 'लंबे सफ़र पर जाने के बारे में क्या विचार है?'

हेडविग ने गरिमापूर्ण ढंग से आवाज़ निकाली।

'तुम यह चिट्ठी सिरियस तक ले जाओगी?' उसने अपनी चिट्ठी उठाते हुए कहा। 'लेकिन ज़रा ठहरो ... मुझे इसमें कुछ और लिखना है।'

उसने दोबारा चर्मपत्र खोला और जल्दी से कुछ लाइनें जोड़ने लगा।

अगर तुम मुझे चिट्ठी लिखो, तो मेरे दोस्त रॉन के घर पर भेजना। गर्मी की बची हुई छुट्टियों में मैं वहीं रहूँगा। उसके डैडी क्विडिच वर्ल्ड कप के टिकट ले आए हैं!

फिर उसने हेडविग के पैर में चिट्ठी बाँध दी। वह बिलकुल स्थिर खड़ी रही, जैसे यह बताना चाहती हो कि चिट्ठी पहुँचाने वाले उल्लू को किस तरह व्यवहार करना चाहिए।

हैरी ने उससे कहा, 'जब तुम वापस लौटोगी, तो मैं रॉन के यहाँ मिलूँगा, ठीक है?'

हेडविग ने प्यार से उसकी उँगली पर चोंच मारी। इसके बाद वह अपने बड़े पंख फैलाकर खुली खिड़की से बाहर उड़ गई।

हैरी ने उसे ओझल होते देखा और फिर रेंगकर अपने पलंग के नीचे घुस गया। उसने फ़र्श के ढीले बोर्ड को हटाकर अंदर से बर्थडे केक का एक बड़ा टुकड़ा बाहर निकाला। वह फ़र्श पर बैठकर उसे खाने लगा और आनंद की लहरों में डूब गया, जो उसके अंदर बाढ़ की तरह लहरा रही थीं। उसके पास केक था, जबकि डडली के पास ग्रेपफ्रूट के सिवाय और कुछ नहीं था। गर्मी का सुहाना दिन था, वह कल प्रिविट ड्राइव छोड़कर जाने वाला था, उसके घाव का निशान एक बार फिर सामान्य हो गया था और वह क्विडिच वर्ल्ड कप देखने जा रहा था। इस समय उसे किसी भी चीज़ की चिंता नहीं हो सकती थी - लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट की भी नहीं।

अध्याय चार

दोबारा रॉन के घर

अगले दिन दोपहर बारह बजे तक हैरी ने स्कूल का अपना सारा सामान संदूक में भर लिया था। उसकी सबसे क़ीमती चीज़ें भी संदूक में पहुँच चुकी थीं - वह अदृश्य चोगा, जो उसे अपने डैडी से विरासत में मिला था; वह झाड़ू, जो उसे सिरियस ने भेजी थी; हॉगवर्ट्स का जादुई नक़्शा, जो उसे पिछले साल फ़्रेड और जॉर्ज वीज़्ली ने दिया था। उसने अपने पलंग के नीचे वाले फ़र्श के ढीले बोर्ड में छिपाकर रखे खाने के सामान को भी निकाल लिया था। अपने बेडरूम के हर कोने की बार-बार जाँच कर ली थी कि कहीं कोई मंत्र की किताब या क़लम छूट तो नहीं गई। उसने दीवार पर लगा वह चार्ट भी उतार लिया था, जिस पर वह पहली सितंबर यानी हॉगवर्ट्स लौटने तक के बचे हुए दिन काटता था।

प्रिविट ड्राइव के चार नंबर के मकान का माहौल बहुत तनावपूर्ण था। डर्स्ली परिवार के सदस्य इस वजह से तनावग्रस्त और चिड़चिड़े थे क्योंकि जादूगर उनके घर आने वाले थे। जब हैरी ने वरनॉन अंकल को बताया कि वीज़्ली परिवार पाँच बजे आएगा, तो वे दहशत में आ गए।

वे तत्काल गुर्राते हुए बोले, 'उम्मीद है, तुमने उन्हें ठीक-ठाक कपड़े पहनने के लिए कह दिया होगा। मैंने अपनी आँखों से देखा है कि तुम्हारी तरह के लोग कैसे कपड़े पहनते हैं। मैं तो बस इतना कहना चाहता हूँ कि उनमें सामान्य कपड़े पहनने की तमीज़ होनी चाहिए।'

हैरी को भी हल्का सा डर लगने लगा। उसने मिस्टर या मिसेज़ वीज़्ली को शायद ही कभी ऐसे कपड़े पहने देखा था, जिन्हें डर्स्ली परिवार 'सामान्य' कह सके। उनके बच्चे छुट्टियों में मगलुओं वाले कपड़े पहनते थे, लेकिन मिस्टर और मिसेज़ वीज़्ली आम तौर पर लंबे दुशाले पहनते थे, जो थोड़े

पुराने और घिसे-पिटे होते थे। हैरी को इस बात की चिंता नहीं थी कि पड़ोसी क्या सोचेंगे, लेकिन उसे इस बात की चिंता ज़रूर थी कि अगर वीज़्ली परिवार ढंग के कपड़ों में नहीं आया, तो डर्स्ली दंपति उनके साथ कितनी बदतमीज़ी से पेश आएँगे।

वरनॉन अंकल ने इस मौक़े पर अपना सबसे अच्छा सूट पहना था। कुछ लोगों को यह स्वागत की निशानी लगती, लेकिन हैरी जानता था कि वरनॉन अंकल ने ऐसा इसलिए किया था, ताकि वे प्रभावशाली और रौबदार दिख सकें। दूसरी तरफ़ डडली सहमा और थोड़ा सिमटा हुआ दिख रहा था। इसका कारण डाइटिंग नहीं, बल्कि डर था। जब पिछली बार डडली एक वयस्क जादूगर के सामने पड़ा था, तो उसके पैंट के नीचे से सुअर की पूँछ बाहर निकल आई थी। उस पूँछ को हटवाने के लिए पेटूनिया आंटी और वरनॉन अंकल को लंदन के एक प्राइवेट अस्पताल में काफ़ी पैसे ख़र्च करने पड़े थे। इसलिए इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं थी कि डडली बार-बार घबराहट में अपना हाथ अपने पुट्ठों पर रख रहा था और एक कमरे से दूसरे में जाते समय सीधे चलने के बजाय तिरछा चल रहा था, ताकि दुश्मन उसी जगह पर दोबारा वार न कर सके।

लंच लगभग पूरी तरह ख़ामोशी में हुआ। डडली ने खाने के समय भी कोई हल्ला नहीं मचाया, हालाँकि लंच में सिर्फ़ कॉटेज चीज़ और सलाद ही था। पेटूनिया आंटी ने तो कुछ नहीं खाया। उनके हाथ बँधे और होंठ सिकुड़े हुए थे तथा वे अपनी जीभ चूस रही थीं, मानो ग़ुस्से की उस बाढ़ को रोक रही हों, जिसे वे हैरी की तरफ़ मोड़ना चाहती थीं।

वरनॉन अंकल ने टेबल के पार से गरजते हुए पूछा, 'वे लोग कार से आएँगे, है ना?'

'अर,' हैरी बोला।

उसने इस बारे में तो सोचा ही नहीं था। वीज़्ली परिवार के सदस्य उसे लेने कैसे आएँगे? उनके पास अब कार नहीं थी। पहले उनके पास एक पुरानी फ़ोर्ड एंग्लिया कार थी, लेकिन इस समय वह कार हॉगवर्ट्स के अँधेरे जंगल में भटक रही थी। वैसे पिछले साल उन्हें स्टेशन छोड़ने के लिए मिस्टर वीज़्ली ने जादू मंत्रालय की कार उधार ले ली थी। शायद आज भी वे ऐसा ही करेंगे?

हैरी ने कहा, 'ऐसा ही लगता है।'

वरनॉन अंकल अपनी मूँछ हिलाते हुए हँस दिए। आम तौर पर वरनॉन अंकल यह पूछते कि मिस्टर वीज़्ली के पास कौन सी कार है। वे

लोगों का मूल्यांकन इस बात से करते थे कि उनकी कारें कितनी बड़ी औ महँगी हैं। लेकिन हैरी को यक़ीन था कि अगर मिस्टर वीज़्ली के पास फ़रार भी होती, तब भी वरनॉन अंकल उन्हें पसंद नहीं करते।

हैरी ने दोपहर का ज़्यादातर समय अपने बेडरूम में ही बिताया। उसे यह बर्दाश्त नहीं हो रहा था कि पेटूनिया आंटी हर कुछ सेकंड बाद जालीदा पर्दों के बीच से झाँकें, जैसे उन्होंने किसी भागे हुए गेंडे के बारे में चेतावनी सुनी हो। आख़िरकार, पौने पाँच बजे हैरी उतरकर नीचे ड्रॉइंग रूम में पहुँच गया।

पेटूनिया आंटी कुशन ठीक कर रही थीं। वरनॉन अंकल अख़बार पढ़ने का नाटक कर रहे थे, लेकिन उनकी छोटी-छोटी आँखें हिल नहीं रही थीं। हैरी को पूरा यक़ीन था कि वे दरअसल कान लगाकर कार आने की आवाज़ का इंतज़ार कर रहे थे। डडली कुर्सी में धँसा हुआ था। उसके मोटे हाथ उसके नीचे रखे थे और वह अपने पुट्ठों को कसकर पकड़े हुए था। हैरी से तनाव बर्दाश्त नहीं हुआ। वह कमरे से बाहर निकलकर हॉल की सीढ़ियों पर बैठ गया। उसकी आँखें घड़ी पर थीं और रोमांच तथा घबराहट के कारण उसका दिल तेज़ी से धड़क रहा था।

लेकिन पाँच बजे का समय आया और गुज़र भी गया। वरनॉन अंकल को सूट में थोड़ा पसीना आने लगा। उन्होंने सामने वाला दरवाज़ा खोलकर बाहर सड़क पर झाँका, फिर अपना सिर तेज़ी से अंदर कर लिया।

उन्होंने हैरी से गुर्राकर कहा, 'उन्हें देर हो गई!'

'मैं जानता हूँ,' हैरी बोला। 'शायद ट्रैफ़िक में फँस गए होंगे या ऐसी ही कोई और बात हुई होगी।'

पाँच बजकर दस मिनट ... फिर पाँच बजकर पंद्रह मिनट ... अब हैरी को भी चिंता होने लगी थी। साढ़े पाँच बजे उसे ड्रॉइंग रूम में वरनॉन अंकल और पेटूनिया आंटी की तनाव भरी आवाज़ें सुनाई दीं।

'ज़रा भी परवाह नहीं है।'

'अगर हमें कोई और काम होता।'

'शायद वे सोच रहे होंगे कि अगर वे देर से आएँगे, तो हम उन्हें डिनर के लिए रोक लेंगे।'

वरनॉन अंकल बोले, 'हम उन्हें हर्गिज़ नहीं रोकेंगे।' उनकी आवाज़ से हैरी को लगा कि वे ड्रॉइंग रूम में बेचैनी से टहलने लगे थे। 'वे लड़के को लेकर तत्काल यहाँ से दफ़ा हो जाएँ। बशर्ते वे आ रहे हों। शायद उन्हें दिन समझने में ग़लती हो गई होगी। मुझे लगता है, *उन जैसे लोगों* को समय पर

काम करने की आदत ही नहीं होती होगी। या तो यह बात होगी या फिर उनकी खटारा कार रास्ते में टें बोल गई होगी – आआआआआआआहहहहहह!'

हैरी उछल पड़ा। ड्राइंग रूम के दरवाज़े की दूसरी तरफ़ से डर्स्ली परिवार के दहशत में भागने की आवाज़ें आ रही थीं। अगले ही पल डडली दौड़ता हुआ हॉल में आया। वह बहुत आतंकित लग रहा था।

'क्या हुआ?' हैरी ने पूछा। 'आख़िर मामला क्या है?'

लेकिन डडली के मुँह से शब्द ही नहीं निकल रहे थे। उसके हाथ अब भी अपने पुट्ठों पर थे और वह तेज़ी से भागता हुआ किचन में चला गया। हैरी जल्दी से ड्रॉइंग रूम में पहुँचा।

डर्स्ली परिवार की बंद अँगीठी के पीछे से ज़ोरदार धमाकों और खरोंचने की आवाज़ें आ रही थीं। यह अँगीठी इसलिए बंद करवाई गई थी, ताकि इसके सामने बिजली की अँगीठी लगवाई जा सके।

'क्या हो रहा है?' पेटूनिया आंटी ने हाँफते हुए कहा। वे दीवार से टिककर अँगीठी की तरफ़ दहशत से घूर रही थीं, 'क्या हो रहा है, वरनॉन?'

लेकिन पल भर में ही उन्हें अपने सवाल का जवाब मिल गया। बंद अँगीठी के भीतर से उन्हें कुछ आवाज़ें सुनाई दीं।

'आउच! नहीं फ़्रेड – वापस लौट जाओ, वापस लौट जाओ, कोई ग़लती हो गई है – जॉर्ज को मना कर दो कि वह यहाँ न आए – *आउच!* जॉर्ज, नहीं, यहाँ जगह नहीं है, जल्दी से लौट जाओ और रॉन को बता दो –'

'शायद हैरी को हमारी आवाज़ सुनाई दे जाएगी। डैडी – शायद वह हमें बाहर निकाल सकता हो –'

बिजली की अँगीठी के पीछे के पटियों पर मुक्कों की तेज़ आवाज़ें आईं।

'हैरी? हैरी, क्या तुम्हें हमारी आवाज़ सुनाई दे रही है?'

डर्स्ली दंपति गुस्सैल भेड़ियों की तरह हैरी की तरफ़ मुड़े।

'यह क्या है?' वरनॉन अंकल गरजे। 'यह क्या हो रहा है?'

'वे – वे यहाँ छू पाउडर से आए हैं,' हैरी बोला, जिसकी हँसने की बहुत इच्छा हो रही थी। 'वे आग से यात्रा कर सकते हैं – दिक्क़त सिर्फ़ इतनी है कि आपने अँगीठी बंद करवा दी है – ज़रा ठहरें –'

वह अँगीठी के पास गया और पटियों के पास जाकर बोला।

'मिस्टर वीज़्ली? क्या आपको मेरी आवाज़ सुनाई दे रही है?'

मुक्कों की आवाज़ बंद हो गई। अंदर से कोई बोला, 'श्श्श!'

'मिस्टर वीज़्ली, मैं हैरी हूँ ... अँगीठी बंद है। आप बाहर नहीं निकल पाएँगे।'

'ओफ!' मिस्टर वीज़्ली की आवाज़ आई। 'आख़िर कोई अँगीठी को बंद क्यों कराएगा?'

हैरी ने समझाया, 'उनके पास बिजली वाली अँगीठी है।'

'सचमुच?' मिस्टर वीज़्ली ने रोमांचित आवाज़ में कहा। 'तुमने क्या कहा, बिज्ज्ली? *प्लग* वाली? वाह, मुझे वह अँगीठी देखनी होगी ... ज़रा सोचते हैं ... आउच, रॉन!'

अब बाक़ी सबके साथ रॉन की आवाज़ भी आने लगी।

'हम यहाँ बंद क्यों हैं? क्या कोई गड़बड़ हो गई है?'

'अरे नहीं, रॉन,' फ़्रेड बहुत व्यंग्यात्मक आवाज़ में बोला, 'हम यहीं तो पहुँचना चाहते थे।'

'हाँ, हमें यहाँ बहुत मज़ा आ रहा है,' जॉर्ज बोला, जिसकी आवाज़ थोड़ी दबी हुई लग रही थी, जैसे वह दीवार से टिककर खड़ा हुआ हो।

'लड़को, लड़को ...' मिस्टर वीज़्ली बोले। 'मैं सोचने की कोशिश कर रहा हूँ कि अब क्या करना चाहिए ... हाँ ... एक ही रास्ता है ... हैरी, पीछे हट जाओ।'

हैरी सोफ़े पर पहुँच गया। लेकिन, वरनॉन अंकल आगे बढ़ गए।

'एक मिनट ठहरो!' वे अँगीठी की तरफ़ गरजकर बोले। 'आप क्या करना चाहते हैं?'

धड़ाक!

बंद अँगीठी में एक विस्फोट हुआ। धमाके की आवाज़ के साथ बिजली की अँगीठी उड़कर कमरे के दूसरे कोने में पहुँच गई। मलबे के बादल के बीच से मिस्टर वीज़्ली, फ़्रेड, जॉर्ज और रॉन बाहर निकले। पेटूनिया आंटी चीख़ती हुई पीछे की तरफ़ कॉफ़ी टेबल पर गिर गईं। वरनॉन अंकल ने उन्हें फ़र्श पर गिरने से पहले ही थाम लिया और वे स्तब्ध से लाल बालों वाले वीज़्ली परिवार को घूरकर देखते रहे। जुड़वाँ भाई होने के कारण फ़्रेड और जॉर्ज के तो बाल ही नहीं, चकत्ते भी एक जैसे थे।

'अब ठीक है,' मिस्टर वीज़्ली अपने लंबे हरे दुशाले से धूल साफ़ करते हुए और अपने चश्मे को सीधा करते हुए बोले। 'आह - आप हैरी के अंकल-आंटी होंगे!'

लंबे, दुबले और गंजे हो रहे मिस्टर वीज़्ली हाथ फैलाकर वरनॉन

अंकल की तरफ़ बढ़े, लेकिन वरनॉन अंकल कई क़दम पीछे हट गए और अपने साथ पेटूनिया आंटी को भी खींच लिया। वरनॉन अंकल इतने स्तब्ध थे कि उनके मुँह से शब्द नहीं निकल रहे थे। सफ़ेद धूल ने उनके सबसे अच्छे सूट को बर्बाद कर दिया था। उनके बाल और मूँछ भी धूल से ढँके हुए थे। इस वक़्त वे तीस साल ज़्यादा बूढ़े लग रहे थे।

'अर – हाँ – इसके बारे में माफ़ करना,' मिस्टर वीज़्ली ने अपना हाथ नीचे करते हुए और टूटी हुई अँगीठी की तरफ़ मुड़कर देखते हुए कहा। 'सब मेरी ग़लती है। मुझे अंदाज़ा ही नहीं था कि हम दूसरे सिरे पर बाहर नहीं निकल पाएँगे। हैरी को ले जाने के लिए मैंने आपकी अँगीठी को आज शाम छू *नेटवर्क* से जुड़वा दिया था – सिर्फ़ एक दिन के लिए। वैसे मगलुओं की अँगीठियों को नेटवर्क से जोड़ना ग़ैर-क़ानूनी है, लेकिन छू नियामक समिति में मेरी पहचान का एक जादूगर है, जिसने मेरे लिए यह काम कर दिया। मैं इसे पल भर में ठीक कर सकता हूँ, इसलिए आप इसकी चिंता न करें। मैं आग जलाकर पहले लड़कों को भेज दूँगा और फिर अंतर्ध्यान होने से पहले आपकी अँगीठी ठीक कर दूँगा।'

हैरी शर्त लगाने को तैयार था कि डर्स्ली परिवार को मिस्टर वीज़्ली की बातें बिलकुल भी पल्ले नहीं पड़ रही थीं। वे अब भी मिस्टर वीज़्ली को घूरे जा रहे थे। पेटूनिया आंटी दोबारा सीधी खड़ी हुईं और वरनॉन अंकल के पीछे छिप गईं।

'हैलो हैरी!' मिस्टर वीज़्ली उत्साह से बोले। 'तुम्हारा संदूक तैयार है?'

हैरी ने मुस्कराते हुए कहा, 'ऊपर रखा है।'

'संदूक हम ले आते हैं,' फ़्रेड ने तत्काल कहा। फ़्रेड और जॉर्ज हैरी को आँख मारते हुए कमरे से बाहर चले गए। वे जानते थे कि हैरी का बेडरूम कहाँ है, क्योंकि उन्होंने एक बार उसे आधी रात को वहाँ से निकाला था। हैरी को लगा कि फ़्रेड और जॉर्ज डडली को देखना चाहते होंगे। उन्होंने हैरी से उसके बारे में काफ़ी कुछ सुन रखा था।

'अच्छा,' मिस्टर वीज़्ली ने अपने हाथों को थोड़ा लहराते हुए कहा और बहुत बुरी तरह छाई ख़ामोशी को तोड़ने की कोशिश की। 'बहुत – आह – बहुत ही अच्छी जगह है।'

आम तौर पर बेदाग़ दिखने वाला ड्रॉइंग रूम इस वक़्त धूल और ईंट के टुकड़ों से ढँका हुआ था, इसलिए डर्स्ली परिवार को यह वाक्य सुनकर अच्छा नहीं लगा। वरनॉन अंकल का चेहरा एक बार फिर बैंगनी हो गया और पेटूनिया आंटी दोबारा अपनी जीभ चूसने लगीं। बहरहाल, वे लोग

इतने ज़्यादा डरे हुए थे कि उनकी बोलती बंद हो गई थी।

मिस्टर वीज़्ली चारों तरफ़ देख रहे थे। उन्हें मगलुओं की हर चीज़ अच्छी लगती थी। हैरी को लग रहा था कि वे टेलीविज़न और वीडियो रिकॉर्डर को चलाकर देखने के लिए व्याकुल होंगे।

'ये चीज़ें बिज्ज्ली से चलती हैं, है ना?' उन्होंने अपना ज्ञान बघारते हुए कहा। 'ओहो, मुझे प्लग दिख रहे हैं। मैं प्लग इकट्ठे करता हूँ,' उन्होंने वरनॉन अंकल से कहा। 'और बैटरियाँ। मेरे पास बैटरियों का काफ़ी बड़ा संग्रह है। मेरे इस शौक़ के कारण मेरी पत्नी मुझे पागल समझती है, लेकिन उससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता।'

वरनॉन अंकल भी मिस्टर वीज़्ली को पागल ही समझ रहे थे। वे पेटूनिया आंटी को छिपाने के लिए थोड़ा दाहिनी तरफ़ सरक गए। शायद उन्हें यह लग रहा था कि मिस्टर वीज़्ली अचानक उनकी तरफ़ दौड़कर हमला कर देंगे।

तभी डडली कमरे में आ गया। सीढ़ियों पर हैरी के संदूक के घसीटने की आवाज़ें सुनकर डडली डर गया था और किचन से भागकर यहाँ आ गया था। डडली दीवार के किनारे-किनारे चल रहा था और मिस्टर वीज़्ली को आतंकित निगाहों से देख रहा था। उसने अपने मम्मी-डैडी के पीछे छिपने की कोशिश की। दुर्भाग्य से, वरनॉन अंकल का शरीर इतना बड़ा नहीं था कि वे डडली को छिपा सकें, हालाँकि यह दुबली-पतली पेटूनिया आंटी को छिपाने के लिए पर्याप्त था।

'आह हैरी, यह तुम्हारा मौसेरा भाई है, है ना?' मिस्टर वीज़्ली ने बातचीत करने का एक और वीरतापूर्ण प्रयास किया।

'हाँ,' हैरी बोला, 'यह डडली है।'

उसकी और रॉन की नज़रें मिलीं। फिर वे दोनों तुरंत दूसरी तरफ़ देखने लगे। दोनों की हँसने की बड़ी इच्छा हो रही थी। डडली अब भी अपने पुट्ठे पकड़े हुए था, मानो उसे उनके गिर जाने का डर हो। बहरहाल, मिस्टर वीज़्ली डडली के अजीब व्यवहार को देखकर बहुत चिंतित हो गए। जब वे दोबारा बोले, तो हैरी को उनकी आवाज़ से लगा कि वे डडली को भी उतना ही पागल समझ रहे थे, जितना कि डर्स्ली परिवार उन्हें समझ रहा था। फ़र्क़ सिर्फ़ इतना था कि मिस्टर वीज़्ली के मन में डर नहीं, बल्कि सहानुभूति की भावना थी।

उन्होंने दयालुता से कहा, 'छुट्टियाँ अच्छी बीत रही हैं, डडली?'

डडली ने हल्की सी आवाज़ निकालते हुए अपने मोटे पुट्ठों को और

कसकर पकड़ लिया।

फ़्रेड और जॉर्ज हैरी का संदूक लेकर कमरे में आ गए। उन्होंने अंदर आते समय चारों तरफ़ देखा और डडली को पहचान लिया। उनके चेहरों पर एक सी शैतानी भरी मुस्कराहट आ गई।

'ठीक है,' मिस्टर वीज़्ली बोले। 'तो फिर आग जला लेते हैं।'

उन्होंने अपने दुशाले की आस्तीनें ऊपर चढ़ाईं और अपनी छड़ी बाहर निकाली। हैरी ने देखा कि पूरा डर्स्ली परिवार एक साथ पीछे हटकर दीवार से चिपक गया।

'प्रज्वलन!' मिस्टर वीज़्ली ने अपनी छड़ी दीवार के छेद की तरफ़ करते हुए कहा।

अँगीठी में तत्काल लपटें उठने लगीं। वे इतनी ऊँची उठ रही थीं, जैसे कई घंटों से जल रही हों। मिस्टर वीज़्ली ने अपनी जेब से एक छोटी सी थैली बाहर निकाली, उसके अंदर से चुटकी भर पाउडर निकाला और उसे लपटों में फेंक दिया, जो पहले से ज़्यादा ऊँची और हरी हो गईं।

मिस्टर वीज़्ली बोले, 'फ़्रेड, पहले तुम जाओ।'

'जा रहा हूँ,' फ़्रेड ने कहा। 'अरे नहीं – ज़रा ठहरिए –'

फ़्रेड की जेब से टॉफ़ियों की थैली निकलकर बाहर गिर गई और हर दिशा में टॉफ़ियाँ फैल गईं – मोटी-मोटी टॉफ़ियाँ, जो बहुत चमकदार पन्नियों में लिपटी हुई थीं।

फ़्रेड ने चारों तरफ़ घूमकर टॉफ़ियाँ बटोरीं और उन्हें जेब में भरकर डर्स्ली परिवार की तरफ़ ख़ुशी से हाथ हिलाया। इसके बाद वह सीधे आग में चला गया और बोला, 'घर!' पेटूनिया आंटी के मुँह से काँपती हुई आह निकल गई। साँय की आवाज़ के साथ फ़्रेड ग़ायब हो गया।

'जॉर्ज, अब तुम जाओ,' मिस्टर वीज़्ली बोले, 'और संदूक भी ले जाना।'

हैरी ने संदूक को अँगीठी तक ले जाने में जॉर्ज की मदद की और उसे उसके छोर पर टिका दिया, ताकि जॉर्ज उसे आसानी से पकड़ सके। फिर जॉर्ज चिल्लाया, 'घर!' और वह भी ग़ायब हो गया।

मिस्टर वीज़्ली बोले, 'रॉन अब तुम।'

'मिलते हैं,' रॉन ने डर्स्ली परिवार से उत्साह से कहा। वह हैरी की तरफ़ देखकर मुस्कराया और आग में खड़े होकर चिल्लाया, 'घर!' वह भी ग़ायब हो गया।

अब सिर्फ़ हैरी और मिस्टर वीज़्ली ही बचे थे।

'अच्छा ... बाय-बाय,' हैरी ने डर्स्ली परिवार से कहा।

उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। हैरी आग की तरफ़ बढ़ा, लेकिन जैसे ही वह अँगीठी के पास पहुँचा, मिस्टर वीज़्ली ने अपना हाथ बढ़ाकर उसे रोक दिया। वे डर्स्ली परिवार की तरफ़ हैरानी से देख रहे थे।

'हैरी ने आप लोगों से गुड बाय की है,' उन्होंने कहा। 'क्या आप लोगों को उसकी बात सुनाई नहीं दी?'

'इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता,' हैरी ने मिस्टर वीज़्ली से बुदबुदाकर कहा। 'सच्ची, मुझे इसकी ज़रा भी परवाह नहीं है।'

मिस्टर वीज़्ली ने अपना हाथ हैरी के कंधे से नहीं हटाया।

'आप लोग अपने भतीजे से अब अगली गर्मियों तक नहीं मिल पाएँगे,' उन्होंने वरनॉन अंकल से थोड़ा चिढ़कर कहा। 'निश्चित रूप से आपको उससे गुड बाय तो कहना ही चाहिए?'

वरनॉन अंकल का दिमाग़ सरपट भाग रहा था। उन्हें इस बात से बड़ा कष्ट हो रहा था कि वह आदमी उन्हें तहज़ीब सिखा रहा है, जिसने अभी-अभी उनके ड्रॉइंग रूम की लगभग आधी दीवार तोड़ दी थी।

लेकिन मिस्टर वीज़्ली की छड़ी अब भी उनके हाथ में थी, जिस पर वरनॉन अंकल की छोटी-छोटी आँखें टिकी हुई थीं। उन्होंने बड़ी अनिच्छा से कहा, 'ठीक है, अलविदा।'

'मिलते हैं,' हैरी ने अपना एक पैर हरी लपटों में रखा, जो गर्म साँस की तरह सुखद लग रही थीं। बहरहाल, उसी पल उसे पीछे से पेटूनिया आंटी की चीख़ें सुनाई दीं।

हैरी पलटा। डडली अब अपने मम्मी-डैडी के पीछे नहीं छिपा था। वह कॉफ़ी टेबल के पास घुटनों के बल बैठा था और उसके मुँह से एक फ़ुट लंबी कोई बैंगनी सी चिपचिपी चीज़ लटक रही थी। एक पल की हैरानी के बाद हैरी को यह एहसास हुआ कि वह एक फ़ुट लंबी चीज़ दरअसल डडली की जीभ थी - और उसके सामने फ़र्श पर चमकीले रंग की टॉफ़ी की पन्नी पड़ी थी।

पेटूनिया आंटी चीख़ती हुई फ़र्श पर डडली के पास बैठ गईं और उसकी लटकती हुई जीभ को मुँह से बाहर खींचने की कोशिश करने लगीं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं थी कि उनकी इस कोशिश के बाद डडली चीख़ने लगा, सिसकने लगा और उन्हें दूर हटाने की कोशिश करने लगा। वरनॉन अंकल गरज रहे थे और चारों तरफ़ हाथ लहरा रहे थे। मिस्टर वीज़्ली को अपनी बात कहने के लिए चिल्लाना पड़ा।

उन्होंने चिल्लाकर कहा, 'चिंता की कोई बात नहीं है। मैं उसे ठीक कर सकता हूँ!' वे अपनी छड़ी आगे करके डडली की तरफ़ बढ़े, लेकिन पेटूनिया आंटी पहले से भी ज़ोर से चीख़ीं और डडली के ऊपर लेट गईं, ताकि उसे मिस्टर वीज़्ली से बचा सकें।

'नहीं, नहीं, ऐसा न करें!' मिस्टर वीज़्ली ने हताशा से कहा। 'उसे ठीक करना बहुत आसान है – यह टॉफ़ी के कारण हुआ है – मेरा बेटा फ़्रेड – बड़ा मसख़रा है – लेकिन यह सिर्फ़ *फूलन सम्मोहन* है – कम से कम मुझे तो यही लगता है – ज़रा हटिए, मैं इसे ठीक कर सकता हूँ –'

लेकिन इससे तसल्ली पाने के बजाय डर्स्ली परिवार और भी दहशत में आ गया। पेटूनिया आंटी ज़ोर-ज़ोर से सुबक रही थीं और डडली की जीभ को खींचे जा रही थीं, जैसे उसे तोड़ने का इरादा रखती हों। अपनी माँ और जीभ के वज़न के कारण डडली का दम घुट रहा था। वरनॉन अंकल अब अपना संयम खो चुके थे। उन्होंने पास रखा चीनी मिट्टी का एक शोपीस उठाया और उसे मिस्टर वीज़्ली को ज़ोर से फेंककर मारा। मिस्टर वीज़्ली झुक गए, जिस वजह से शोपीस टूटी हुई अँगीठी में गिरकर टूट गया।

'सुनिए तो सही!' मिस्टर वीज़्ली ने ग़ुस्से में अपनी छड़ी लहराते हुए कहा। 'मैं आपकी *मदद* करने की कोशिश कर रहा हूँ!'

घायल दरियाई घोड़े की तरह चिंघाड़ते हुए वरनॉन अंकल ने एक और शोपीस उठा लिया।

'हैरी, जाओ! जल्दी जाओ!' मिस्टर वीज़्ली अपनी छड़ी वरनॉन अंकल की तरफ़ घुमाते हुए चिल्लाए। 'मैं इसे सुलझा लूँगा!'

हैरी इस मज़ेदार दृश्य को देखना चाहता था, लेकिन वरनॉन अंकल का फेंका दूसरा शोपीस उसके बाएँ कान के बहुत पास से गुज़रा था, इसलिए उसने सोचा, सबसे अच्छा यही रहेगा कि वह मिस्टर वीज़्ली को ही स्थिति सुलझाने दे। वह आग में गया और मुड़कर पीछे देखते हुए बोला, 'रॉन का घर!' उसने ड्रॉइंग रूम का जो आख़िरी दृश्य देखा, वह यह था कि मिस्टर वीज़्ली ने वरनॉन अंकल के हाथ के तीसरे शोपीस को अपनी छड़ी से उड़ा दिया था। पेटूनिया आंटी चीख़ रही थीं और डडली पर लेटी हुई थीं, जिसकी जीभ किसी बड़े चिपचिपे अजगर की तरह नीचे लटक रही थी। लेकिन अगले ही पल हैरी बहुत तेज़ी से घूमने लगा और डर्स्ली परिवार का ड्रॉइंग रूम हरी लपटों में गुम हो गया।

अध्याय पाँच

वीज़्ली बंधुओं की जादूगरी की दुकान

हैरी तेज़ी से गोल-गोल घूमता रहा। उसने अपनी कोहनियाँ अपने बग़ल में चिपका रखी थीं। उसके पास से धुँधली अँगीठियाँ गुज़रती जा रही थीं। फिर उसे चक्कर आने लगे और उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। फिर जब आख़िरकार उसे लगा कि उसकी रफ़्तार धीमी होने लगी है, तो उसने अपनी आँखें खोल लीं। यह अच्छा रहा, वरना वह वीज़्ली परिवार की अँगीठी से मुँह के बल नीचे गिर जाता। समय रहते उसने अपने हाथ टेक लिए, जिससे गिरने पर उसे चोट नहीं लगी।

फ़्रेड ने हैरी को उठाने के लिए अपना हाथ बढ़ाया और रोमांच से पूछा, 'उसने चॉकलेट खा ली?'

'हाँ,' हैरी खड़े होते हुए बोला। 'वह क्या चीज़ थी?'

'टनाटन टॉफ़ी,' फ़्रेड ने उत्साह से कहा। 'जॉर्ज और मैंने उसका फ़ॉर्मूला तैयार किया है। हम पूरी छुट्टियों में किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में थे, जिस पर इसका प्रयोग करके इसे आज़मा सकें ...'

छोटा सा किचन ठहाकों से गूँज गया। हैरी ने चारों तरफ़ देखा। रॉन और जॉर्ज लकड़ी की एक जर्जर टेबल के पास बैठे थे। उनके पास लाल बाल वाले दो लोग और बैठे थे। हालाँकि हैरी ने उन्हें पहले कभी नहीं देखा था, लेकिन वह तत्काल समझ गया कि वे कौन हो सकते हैं। वे दोनों रॉन के सबसे बड़े भाई बिल और चार्ली ही हो सकते थे।

'कैसे हो, हैरी?' उन दोनों में से पास वाले ने मुस्कराकर उसकी तरफ़ हाथ बढ़ाया। उससे हाथ मिलाते समय हैरी को अपनी उँगलियों के नीचे फोड़ों और गठानों का एहसास हुआ। यह चार्ली होगा, जो रोमानिया में ड्रैगन्स को सँभालने का काम करता था। चार्ली का डील-डौल जुड़वाँ वीज़्ली बंधुओं की

तरह था। वह पर्सी और रॉन की तरह लंबा और छरहरा नहीं था, बल्कि नाटा और गठीला था। उसका चेहरा चौड़ा और हँसमुख था, जिस पर मौसम के थपेड़ों के निशान थे। उसका चेहरा इतना चकत्तेदार था कि लगभग भूरा दिख रहा था। उसकी बाँहें माँसपेशियों से भरी थीं और उनमें से एक पर जलने का बड़ा चमकदार निशान दिख रहा था।

बिल भी मुस्कराते हुए खड़ा हुआ और उसने भी हैरी से हाथ मिलाया। हैरी बिल को देखकर हैरान रह गया। हैरी जानता था कि वह जादूगरों के बैंक ग्रिनगॉट में काम करता है और हॉगवर्ट्स का हेडबॉय रह चुका है। हैरी ने हमेशा यह कल्पना की थी कि बिल पर्सी की ही तरह होगा, जो नियम तोड़ने के बारे में चेतावनी देता रहता था और अपने आस-पास के सभी लोगों पर रौब जमाना चाहता था। बहरहाल, बिल - बहुत ही शानदार था। उसके लिए इससे ज़्यादा उपयुक्त शब्द हो ही नहीं सकता था। वह लंबा था और उसके बाल भी लंबे थे, जिन्हें उसने पीछे पोनी टेल में बाँध रखा था। वह कान में एक बाली पहने था, जिसमें एक ज़हरीला दाँत लटक रहा था। उसके कपड़े किसी डिस्को में बिलकुल भी अजीब नहीं लगते - फ़र्क़ सिर्फ़ इतना था कि उसके जूते चमड़े से नहीं, बल्कि ड्रैगन की खाल से बने थे।

इससे पहले कि उनमें से कोई भी कुछ और कह पाता, एक हल्की सी आवाज़ आई और मिस्टर वीज़्ली जॉर्ज के कंधे पर प्रकट हो गए। हैरी ने उन्हें पहले कभी इतने ग़ुस्से में नहीं देखा था।

'फ़्रेड, तुमने जो किया, वह *बहुत मज़ेदार नहीं था!*' वे चिल्लाए। 'आख़िर तुमने उस मगलू बच्चे को क्या दे दिया था?'

'मैंने उसे कुछ नहीं दिया था,' फ़्रेड चालाकी से मुस्कराते हुए बोला। 'मैंने तो बस टॉफ़ी *गिराई* थी ... यह उसी की ग़लती थी कि उसने टॉफ़ी उठाकर खा ली। मैंने तो उसे ऐसा करने को नहीं कहा था।'

'तुमने टॉफ़ी जान-बूझकर गिराई थी!' मिस्टर वीज़्ली गरजे। 'तुम जानते थे कि वह डाइटिंग पर है, तुम जानते थे कि वह इसे खा लेगा -'

जॉर्ज ने उत्सुकता से पूछा, 'उसकी जीभ कितनी लंबी हुई थी?'

'जब तक उसके मम्मी-डैडी मुझे ठीक करने देते, तब तक चार फ़ुट लंबी हो चुकी थी!'

हैरी और वीज़्ली भाई दोबारा हँसने लगे।

'*यह हँसने की बात नहीं है!*' मिस्टर वीज़्ली चिल्लाए। 'इस तरह की हरकतों से जादूगर-मगलू संबंधों पर बुरा असर पड़ता है! मैंने अपनी आधी ज़िंदगी मगलुओं से दुर्व्यवहार के ख़िलाफ़ संघर्ष करने में बिताई है और मेरे

ही बेटे –'

फ़्रेड ने ग़ुस्से से कहा, 'हमने उसे मगलू मानकर ऐसा नहीं किया था!

'नहीं, हमने तो ऐसा इसलिए किया था, क्योंकि वह दूसरों को बहुत सताता है,' जॉर्ज बोला। 'है ना हैरी?'

हैरी गंभीरता से बोला, 'हाँ, यह सही है, मिस्टर वीज़्ली।'

'बात यह नहीं है!' मिस्टर वीज़्ली ग़ुस्से से बोले। 'ज़रा ठहरो, मैं तुम्हारी मम्मी को बताता हूँ –'

'मुझे क्या बताने वाले हो?' उनके पीछे से एक आवाज़ आई।

मिसेज़ वीज़्ली अभी-अभी किचन में दाख़िल हुई थीं। वे नाटी और मोटी थीं। उनका चेहरा बहुत दयालु था, लेकिन इस समय उनकी आँखें शंका के कारण सिकुड़ी हुई थीं।

'ओह हैलो, हैरी बेटा,' उन्होंने हैरी को देखकर मुस्कराते हुए कहा। फिर उनकी आँखें अपने पति की तरफ़ लौट गईं। 'मुझे *क्या* बताने वाले थे, आर्थर?'

मिस्टर वीज़्ली झिझके। हैरी जानता था कि चाहे वे फ़्रेड और जॉर्ज से कितने ही ग़ुस्सा हों, लेकिन वे दरअसल मिसेज़ वीज़्ली को कुछ नहीं बताना चाहते थे। ख़ामोशी छाई रही और मिस्टर वीज़्ली घबराकर अपनी पत्नी को देखते रहे। फिर मिसेज़ वीज़्ली के पीछे किचन के दरवाज़े पर दो लड़कियाँ भी नज़र आईं। एक के गुच्छेदार भूरे बाल थे और सामने वाले दाँत थोड़े बड़े थे। वह हैरी और रॉन की दोस्त हर्माइनी ग्रेंजर थी। छोटी और लाल बालों वाली दूसरी लड़की रॉन की छोटी बहन जिनी थी। दोनों ही हैरी की तरफ़ देखकर मुस्कराईं और हैरी भी जवाब में मुस्कराया। इससे जिनी का चेहरा लाल पड़ गया – जब हैरी पहली बार उनके घर आया था, तभी से वह हैरी की दीवानी थी।

मिसेज़ वीज़्ली ने ख़तरनाक अंदाज़ में पूछा, 'मुझे *क्या* बताने वाले थे, आर्थर?'

'कुछ नहीं, मॉली,' मिस्टर वीज़्ली बुदबुदाए। 'फ़्रेड और जॉर्ज ने – लेकिन मैंने उन्हें समझा दिया है –'

'उन्होंने इस बार क्या किया है?' मिसेज़ वीज़्ली बोलीं। 'अगर इसका संबंध *वीज़्ली बंधुओं की जादूगरी की दुकान* से है –'

हर्माइनी ने दरवाज़े से कहा, 'रॉन, तुम हैरी को यह क्यों नहीं बताते कि वह कहाँ सोएगा?'

'वह जानता है कि वह कहाँ सोएगा,' रॉन ने कहा। 'मेरे कमरे में, जहाँ वह पिछली बार सोया था –'

हर्माइनी ने ज़ोर देकर कहा, 'हम सब वहीं चलते हैं।'

रॉन उसका इशारा समझते हुए बोला, 'ओह हाँ, ठीक है।'

जॉर्ज ने जल्दी से कहा, 'हाँ, हम भी चलते हैं।'

'तुम जहाँ हो, वहीं खड़े रहो!' मिसेज़ वीज़्ली ने गुर्राते हुए कहा।

हैरी और रॉन किचन से बाहर निकल आए। फिर वे हर्माइनी और जिनी के साथ हॉल से होते हुए जर्जर सीढ़ी पर चढ़ने लगे, जो टेढ़ी-मेढ़ी होकर ऊपर की मंज़िलों की तरफ़ जाती थी।

हैरी ने ऊपर चढ़ते हुए पूछा, *'वीज़्ली बंधुओं की जादूगरी की दुकान* क्या है?'

रॉन और जिनी दोनों ही हँस दिए, लेकिन हर्माइनी गंभीर बनी रही।

'मम्मी जब फ़्रेड और जॉर्ज के कमरे की सफ़ाई कर रही थीं, तो उन्हें वहाँ बहुत से ऑर्डर फ़ॉर्म मिले,' रॉन ने धीरे से कहा। 'उनमें उन सामानों की लंबी सूची थी, जिनका उन्होंने आविष्कार किया था। मज़ाकिया सामान। नक़ली छड़ियाँ, चालबाज़ी भरी मिठाइयाँ और बहुत सा सामान। सारी चीज़ें कमाल की थीं। मुझे यह पता ही नहीं चला कि उन्होंने इन सबका आविष्कार कब कर लिया ...'

जिनी बोली, 'हमें बरसों से उनके कमरे में धमाकों की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं, लेकिन हमने कभी सोचा भी नहीं था कि वे कोई आविष्कार कर रहे *होंगे।* हमें तो लगा था कि उन्हें धमाकों की आवाज़ पसंद होगी।'

'दिक्क़त सिर्फ़ इतनी है कि ज़्यादातर सामान – दरअसल पूरा का पूरा सामान – थोड़ा ख़तरनाक है,' रॉन बोला, 'और जानते हो, वे लोग इस सामान को हॉगवर्ट्स में बेचकर पैसे कमाने की योजना बना रहे थे। यह पता चलते ही मम्मी उन पर बरस पड़ीं। मम्मी ने उन्हें बता दिया कि उन्हें भविष्य में इस तरह का सामान बनाने की इज़ाज़त नहीं है। मम्मी ने उनके सारे ऑर्डर फ़ॉर्म जला दिए ... वे उन पर पहले से ही ग़ुस्सा थीं। उन्हें उतने ओ.डब्ल्यू.एल. नहीं मिले थे, जितने की मम्मी को उम्मीद थी।'

ओ.डब्ल्यू.एल. सामान्य जादूगरी स्तर के ग्रेड थे, जिसकी परीक्षा हॉगवर्ट्स के विद्यार्थी पंद्रह साल की उम्र में देते थे।

'और फिर एक मुद्दा यह भी था,' जिनी बोली, 'मम्मी चाहती हैं कि वे डैडी की तरह जादू मंत्रालय में नौकरी करें, लेकिन उन्होंने मम्मी को साफ़

शब्दों में बता दिया कि वे *जोक-शॉप* यानी जादूगरी के रोचक सामानों की दुकान खोलना चाहते हैं।'

तभी दूसरी मंज़िल का एक दरवाज़ा खुला और सींग के फ़्रेम वाला चश्मा पहने हुए एक चिड़चिड़ा चेहरा नज़र आया।

हैरी बोला, 'हाय पर्सी।'

'ओह, हैलो हैरी,' पर्सी बोला। 'मैं सोच रहा था कि इतना शोर कौन मचा रहा है। मैं यहाँ पर बड़ा ही महत्वपूर्ण काम कर रहा हूँ - मुझे ऑफ़िस की एक रिपोर्ट पूरी करनी है - और जब लोग सीढ़ियों पर धम-धम करते हुए चढ़ते हैं, तो ढंग से सोचना बहुत मुश्किल होता है।'

'हम *धम-धम* नहीं कर रहे थे,' रॉन ने चिढ़कर कहा। 'हम तो चल रहे थे। अगर हमने जादू मंत्रालय के अति गोपनीय कामों में बाधा डाली हो, तो हमें माफ़ कर देना।'

हैरी ने पूछा, 'तुम क्या कर रहे हो?'

'अंतर्राष्ट्रीय जादुई सौहार्द्र विभाग के लिए एक रिपोर्ट बना रहा हूँ,' पर्सी ने गर्व से कहा। 'हम कड़ाहियों की न्यूनतम मोटाई तय करने की कोशिश कर रहे हैं। विदेश से आयात होने वाली कुछ कड़ाहियाँ बहुत पतली हैं - कड़ाहियों से द्रव रिसने की घटनाएँ हर साल तीन प्रतिशत की दर से बढ़ रही हैं -'

'तुम्हारी रिपोर्ट से दुनिया बदल जाएगी,' रॉन बोला। 'मुझे उम्मीद है कि कड़ाहियों के रिसने की ख़बर *दैनिक जादूगर* के पहले पन्ने पर छपेगी।'

पर्सी का चेहरा थोड़ा गुलाबी पड़ गया।

'तुम चाहे जितनी हँसी उड़ा लो, रॉन,' उसने जोश से कहा, 'लेकिन जब तक किसी तरह का अंतर्राष्ट्रीय क़ानून नहीं बनेगा, तब तक बाज़ार में घटिया और पतली तली की कड़ाहियाँ आती रहेंगी। यह बहुत बड़ा ख़तरा है -'

'हाँ, हाँ, ठीक है,' रॉन बोला और सीढ़ियाँ चढ़ने लगा। पर्सी ने अपने बेडरूम का दरवाज़ा धड़ाम से बंद कर लिया। जब हैरी, हर्माइनी और जिनी रॉन के पीछे-पीछे सीढ़ियाँ चढ़े, तो नीचे किचन से चिल्लाने की आवाज़ें सुनाई देने लगीं। ऐसा लग रहा था कि मिस्टर वीज़्ली ने अपनी पत्नी को टॉफ़ियों के बारे में बता दिया था।

रॉन मकान के सबसे ऊपर वाले कमरे में सोता था। यह काफ़ी कुछ वैसी ही हालत में था, जैसा हैरी के पिछली बार रुकते समय था। रॉन की प्रिय क्विडिच टीम *द चडले कैनन्स* के वही पोस्टर दीवारों पर लगे थे।

खिड़की की चौखट पर मछलियों का टैंक रखा था, जिसमें पिछली बार मेंढक के अंडे थे, लेकिन अब वहाँ पर एक बहुत बड़ा मेंढक दिख रहा था। रॉन का बूढ़ा चूहा स्कैबर्स अब वहाँ नहीं था, लेकिन उसकी जगह एक छोटा भूरा उल्लू आ गया था, जिसने रॉन की चिट्ठी प्रिविट ड्राइव में हैरी तक पहुँचाई थी। वह एक छोटे पिंजरे में ऊपर-नीचे कूद रहा था और लगातार चीख़ रहा था।

'चुप रहो, पिग,' रॉन बोला। कमरे में चार बिस्तर पास-पास लगे हुए थे, जिनके बीच से गुज़रते हुए रॉन ने हैरी से कहा, 'फ़्रेड और जॉर्ज भी हमारे साथ यहीं सोएँगे, क्योंकि बिल और चार्ली उनके कमरे में ठहरे हुए हैं। पर्सी अपने कमरे में किसी को नहीं सोने देगा, क्योंकि उसे *काम* करना है।'

हैरी ने रॉन से पूछा, 'अर - तुम उस उल्लू को पिग क्यों कहते हो?'

'क्योंकि वह मूर्ख है,' जिनी बोली। 'वैसे उसका सही नाम पिगविजियन है।'

'हाँ, और पिगविजियन कोई मूर्खतापूर्ण नाम नहीं है,' रॉन ने व्यंग्य से कहा। फिर उसने हैरी को बताया, 'जिनी ने ही उसका नाम पिग रखा था। बाद में मैंने इसे बदलने की कोशिश भी की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वह किसी दूसरे नाम पर जवाब ही नहीं देता था। इसलिए अब उसका नाम पिग पड़ चुका है। मुझे उसे यहाँ ऊपर रखना पड़ता है, क्योंकि उसकी हरकतों के कारण एरल और हर्मीज़ उससे चिढ़ते हैं। सच कहूँ, तो मैं भी उससे चिढ़ता हूँ।'

पिगविजियन ख़ुशी से अपने पिंजरे में चारों तरफ़ उड़ता रहा और तीखी सीटियाँ बजाता रहा। हैरी रॉन को बहुत अच्छी तरह से जानता था, इसलिए उसने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। रॉन अपने बूढ़े चूहे स्कैबर्स के बारे में भी लगातार यही सब कहता रहता था, लेकिन जब उसे लगा कि हर्माइनी की बिल्ली क्रुकशैंक्स ने उसे खा लिया है, तो वह बहुत परेशान हो गया था।

हैरी ने हर्माइनी से पूछा, 'क्रुकशैंक्स कहाँ है?'

हर्माइनी ने जवाब दिया, 'बाहर बग़ीचे में होगी। उसे बौनों का पीछा करने में मज़ा आ रहा है। इससे पहले उसने कभी बौने देखे ही नहीं थे।'

'पर्सी नौकरी के मज़े ले रहा है, है ना?' हैरी ने एक बिस्तर पर बैठते हुए कहा और दीवार पर लगे पोस्टर में *चडले कैनन्स* के खिलाड़ियों को अंदर-बाहर आते-जाते हुए देखने लगा।

'मज़े ले रहा है?' रॉन ने रहस्यमयी आवाज़ में कहा। 'मुझे लगता है कि अगर डैडी उसे पकड़कर ज़बर्दस्ती घर न लाएँ, तो वह तो घर भी नहीं आएगा। वह पगला चुका है। उसके बॉस के बारे में कोई भी बात मत छेड़ना।